Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 66
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
सोमवार,06 अक्टूबर 2025

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

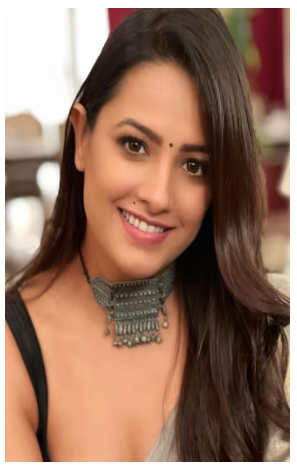

3 ओबीसी वोट बैंक को साधने में जुटी कांग्रेस, यूपी के 4 डा. अंबेडकर और साम्राज्यवाद, ब्राह्मणवाद एवं पूंजीवाद 5 अनीता हसनंदानी बनी छोरियां चली गांव की विजेता

सीएम योगी की राजस्व विभाग के अफसरों के साथ बैठक

फील्ड में तैनाती का आधार केवल परफॉर्मेंस

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि फील्ड में वही अधिकारी तैनात हों जिनकी छवि साफ और लक्ष्य प्राप्ति के प्रति प्रतिबद्धता स्पष्ट हो। उन्होंने राज्य कर विभाग की राजस्व प्राप्तियों की समीक्षा की और जोनल अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद किया।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि राज्य कर विभाग में तैनाती का आधार केवल परफॉर्मेंस होगा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि फील्ड में वही अधिकारी तैनात किए जाएं जो लक्ष्य प्राप्ति के प्रति प्रतिबद्ध हों और जिनकी छवि पूरी तरह साफ हो। मुख्यमंत्री रविवार को राज्य कर विभाग की राजस्व प्राप्तियों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जोनल अधिकारियों से सीधा संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीएसटी के नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म के बाद बाजार में तेजी देखी जा रही है और आने वाले महीनों में इसके सकारात्मक परिणाम निश्चित रूप से दिखाई देंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि धनतेरस और दीपावली के अवसरों पर अनावश्यक जांच अथवा छापेमारी की कार्रवाई से बचा जाए। व्यापारियों और उद्यमियों के उत्पीड़न की शिकायत कहीं से भी नहीं आनी चाहिए। बैठक के दौरान जोनवार समीक्षा में अवगत कराया गया कि बरेली (64.2%), सहारनपुर (63.7%), मेरठ (63.0%), गोरखपुर (62.5%) और झांसी (62.1%) जैसे जोनों का प्रदर्शन अपेक्षाकृत बेहतर रहा है। वहीं कुछ जोनों में लक्ष्य पूर्ति 55 से 58 प्रतिशत के बीच रही, जहां सुधार की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने वाराणसी प्रथम व द्वितीय, गोरखपुर, प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ प्रथम व द्वितीय, कानपुर प्रथम व द्वितीय, इटावा, झांसी, आगरा, अलीगढ़, मुरादाबाद, मेरठ, गाजियाबाद प्रथम व द्वितीय, गौतमबुद्ध नगर और सहारनपुर सहित सभी जोनों की संभागवार और खंडवार समीक्षा की। उन्होंने सभी जोनल अधिकारियों से कहा कि 50 प्रतिशत से कम राजस्व संग्रह वाले खंडों की स्थिति का कारण स्पष्ट करें और सुधार की कार्ययोजना तत्काल तैयार करें। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि बरेली, झांसी और कानपुर प्रथम जोन में कोई भी खंड 50 प्रतिशत से कम संग्रह वाला नहीं है, जो संतोषजनक है। वहीं, असंतोषजनक प्रदर्शन करने वालों की जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व वृद्धि राज्य की आर्थिक प्रगति का प्रमुख आधार है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत प्राप्ति का संकल्प लेकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिकारी स्वयं मार्केट मैपिंग करें, सामान्य रूप से बाजार में जाएं, व्यापारियों से मिलें और उनकी अपेक्षाओं को समझें। मुख्यमंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि मंडी शुल्क में कमी से किसानों को राहत और राजस्व में वृद्धि दोनों हुई हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि पारदर्शी और सरल कर प्रणाली हमेशा लाभकारी होती है। उन्होंने व्यापारियों से संवाद बनाए रखने पर बल देते हुए कहा कि जीएसटी पंजीकरण बढ़ाने और समय से रिटर्न फाइल कराने के लिए ठोस प्रयास किए जाएं। सितंबर तक राज्य को 55 हजार करोड़ की प्राप्ति हुई बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में सितम्बर माह तक राज्य कर विभाग को कुल 55,000 करोड़ की प्राप्ति हुई है। इसमें 40,000 करोड़ जीएसटी तथा 15,000 करोड़ वैट/नॉन-जीएसटी से प्राप्त हुए हैं। गत वित्तीय वर्ष की समान अवधि में 55,136.29 करोड़ की प्राप्ति हुई थी। चालू वित्तीय वर्ष के लिए राज्य कर विभाग को ?1.75 लाख करोड़ का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जो पिछले वर्ष के 1,56,982 करोड़ की तुलना में लगभग 18,700 करोड़ अधिक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय जीएसटी संग्रह में अग्रणी योगदान देना चाहिए और इसके लिए नियोजित प्रयास किए जाएं। बैठक में बोगस फर्मों और फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के मामलों पर विशेष चर्चा हुई।

दक्षिण बंगाल में बाढ़ का संकट गहराया, ममता ने दिया तत्काल मदद का भरोसा

बंगाल। उत्तर और दक्षिण बंगाल में 12 घंटों में 300 मिमी से अधिक मूसलाधार बारिश तथा पड़ोसी राज्यों से नदियों के अत्यधिक बहाव के कारण अचानक बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। इस आपदा में जान-माल की हानि के साथ-साथ दो पुल ढहने और कई सड़कें क्षतिग्रस्त होने से बुनियादी ढांचे को गंभीर नुकसान पहुंचा है, जिस पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चिंता व्यक्त की है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उत्तर और दक्षिण बंगाल के कई इलाकों में अचानक हुई भारी बारिश से आई बाढ़ पर 'गहरी चिंता' व्यक्त की है। उन्होंने प्रभावित परिवारों को तुरंत सभी आवश्यक सहायता पहुंचाने का आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में कहा, 'मैं इस बात से बेहद चिंतित और चिंतित हूं

कि कल रात कुछ ही घंटों में अचानक हुई भारी बारिश और बाहर से हमारे राज्य में नदी के पानी के अत्यधिक प्रवाह के कारण उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल के कई इलाकों में बाढ़ आ गई है।' 12 घंटों में 300 मिमी से अधिक बारिश से भारी तबाही बनर्जी ने उत्तर बंगाल में व्यापक तबाही के लिए केवल 12 घंटों में 300 मिमी से अधिक मूसलाधार बारिश को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने बताया, 'कल रात उत्तर बंगाल में 12 घंटों में अचानक 300 मिमी से अधिक बारिश हुई और साथ ही संकोश नदी में पानी का अत्यधिक प्रवाह हुआ और भूटान व सिक्किम से नदी का पानी भी बह गया। इससे आपदाएं आईं।' मुख्यमंत्री ने भारी बारिश और बाढ़ के कारण हुई जान-माल की हानि पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'हमें यह जानकर गहरा सदमा और दुख हुआ है कि भारी बारिश और नदियों में आई बाढ़ के कारण हमने अपने कुछ भाई-बहनों को खो दिया है। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं और उन्हें तुरंत सभी सहायता पहुंचाऊंगी।' बुनियादी ढांचा प्रभावित, मिरिक में गंभीर नुकसान मुख्यमंत्री के अनुसार, आपदा के कारण बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया, 'दो लोहे के पुल ढह गए हैं, कई सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं और बाढ़ आ गई है। दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार जिलों में जमीन के बड़े हिस्से जलमग्न हो गए हैं।' उन्होंने विशेष रूप से मिरिक, दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, माटीगाड़ा और अलीपुरद्वार से 'चिंताजनक क्षति और नुकसान की खबरें' मिलने की बात कही।

तेजस्वी का सनसनीखेज आरोप, भाजपा के कहने पर नीतीश के खाने में मिलावट हो रही!

बिहार। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कथित असामान्य व्यवहार पर तेजस्वी यादव ने उनके मानसिक स्वास्थ्य और सरकार चलाने की योग्यता पर गंभीर संदेह व्यक्त किए हैं। राजद नेता ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ करीबी सहयोगी भाजपा के इशारे पर नीतीश के खाने में मिलावट कर रहे हैं, जिससे बिहार की सत्ता में बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। राजद नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक वर्चुअल समारोह में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कथित 'अनियमित' व्यवहार को लेकर उन पर सीधा हमला किया है। यादव ने इस घटना को आधार बनाते हुए मुख्यमंत्री के 'मानसिक स्वास्थ्य' और 'सरकार चलाने की क्षमता' पर गंभीर संदेह व्यक्त किए हैं। राजद नेता ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ करीबी सहयोगी भाजपा के इशारे पर नीतीश के खाने में मिलावट कर रहे हैं। पूर्व

उप-मुख्यमंत्री और वर्तमान में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने अपने 'एक्स' हैंडल पर नई दिल्ली में आयोजित उस समारोह का वीडियो साझा किया, जिसमें मुख्यमंत्री अपने आवास से वर्चुअली शामिल हुए थे। अपने सोशल मीडिया पोस्ट में, यादव ने कहा, 'एक प्रदेश के मुख्यमंत्री को इस दयनीय स्थिति में देख आपको कैसा लग रहा है? क्या अजीब हरकते करते मानवीय मुख्यमंत्री जी आपको मानसिक रूप से स्वस्थ दिखाई दे रहे है?' तेजस्वी ने एक बड़ा आरोप लगाते हुए पूछा, 'क्या मुख्यमंत्री की इस मानसिक स्थिति के लिए उनके करीबी सहयोगियों को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, जो गठबंधन सहयोगी भाजपा के कहने पर उनके खाने में मिलावट कर रहे होंगे?' एक प्रदेश के मुख्यमंत्री को इस दयनीय स्थिति में देख आपको कैसा लग रहा है? क्या अजीब हरकते करते मा॰ मुख्यमंत्री जी आपको मानसिक रूप से स्वस्थ दिखाई दे रहे है?

विधानसभा चुनाव की घोषणा जल्द, मुख्य चुनाव आयुक्त का दावा-एसआईआर ने बिहार में मतदाता सूची का किया शुद्धीकरण

पटना। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा और इसके चरणों को लेकर जल्द ही निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव में लागू की जाने वाली 17 नयी पहल न केवल बिहार बल्कि पूरे देश के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होंगी। उन्होंने यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बिहार चुनाव को छठ महापर्व की तरह लोकतंत्र के महापर्व के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने भोजपुरी और मैथिली में मतदाताओं को संबोधित करते हुए आभार व्यक्त किया और लोकतंत्र के प्रति सहयोग के लिए बधाई दी। कुमार ने कहा कि बिहार ने वैशाली से लोकतंत्र को जन्म दिया है और अब बिहार से ही चुनाव सुधार की नयी दिशा देश को मिलेगी। उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत अपात्र मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं, जबकि

योग्य मतदाता नामांकन की समाप्ति से दस दिन पहले तक फॉर्म-6 या फॉर्म-7 भरकर अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद पूरी होने पर संतोष व्यक्त करते हुए दावा किया कि इस कवायद से राज्य में 22 वर्षों के बाद मतदाता सूची का ह्यह्यशुद्धीकरणह्लह्ल हुआ है। कुमार ने कहा, ह्यह्यहमारे पास 243 निर्वाचन क्षेत्रों में से प्रत्येक में एक ईआरओ (निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी) है। इस काम को पूरा करने में 90,207 बीएलओ ने उनकी मदद की, जिससे 22 वर्षों के बाद मतदाता सूचियों का शुद्धीकरण किया जा सका। इससे पहले, बिहार में मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण 2003 में हुआ था। उन्होंने बताया कि नयी पहल का कुछ हिस्सा चुनाव पूर्व लागू होगा और कुछ उपाय मतदान के दौरान प्रभावी रहेंगे। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय के निदेशों के अनुरूप आधार कार्ड को पहचान पत्र के रूप में स्वीकार किया गया है, लेकिन यह नागरिकता का प्रमाण नहीं है।

वांगचुक की मांग, लेह हिंसा की न्यायिक जांच हो,कहा- जब तक ऐसा नहीं होता, जेल में रहूंगा

नई दिल्ली। सोनम वांगचुक ने लेह हिंसा के दौरान हुई 4 लोगों की मौत की स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग की है। उन्होंने जोधपुर सेंट्रल जेल से एक पत्र लिखा है, जो रविवार को जारी किया गया। वांगचुक ने लिखा- जिन लोगों ने अपनी जान गंवाई, उनके परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मैं घायलों और गिरफ्तार लोगों के लिए प्रार्थना करता हूं। 4 लोगों की मौत की जांच एक स्वतंत्र न्यायिक आयोग से होनी चाहिए, जब तक ऐसा नहीं होता, मैं जेल में ही रहूंगा। यह लेटर एडवोकेट मुस्तफा हाजी ने साझा किया है, जो लेह ऐपेक्स बॉडी (एलएबी) के कानूनी सलाहकार हैं। उन्होंने और वांगचुक के भाई भाई त्सेतन दोरजे ले ने 4 अक्टूबर को जेल में वांगचुक से मुलाकात की थी। दरअसल, वांगचुक को 24 सितंबर को लेह हिंसा भड़काने के

आरोप में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत 26 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। वह फिलहाल जोधपुर की जेल में हैं। वांगचुक की रिहाई की मांग को लेकर लगाई गई हेबियस कार्पस (बंदी प्रत्यक्षीकरण) याचिका पर 6 अक्टूबर को सुनवाई होगी। वांगचुक ने कहा कि वह शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ हैं और सभी शुभचिंतकों का आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने लेटर में एनएबी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) को पूरा समर्थन देने की बात कही। उन्होंने लिखा लद्दाख को राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किए जाने की हमारी मांग संवैधानिक और न्यायसंगत है। एलएबी जो भी कदम लद्दाख के हित में उठाएगा, मैं उसके साथ पूरी तरह हूं। सुप्रीम कोर्ट में सोनम वांगचुक की रिहाई की मांग को लेकर लगाई गई याचिका पर 6 अक्टूबर को सुनवाई होगी। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच इस मामले की सुनवाई करेगी। सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो ने 2 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। गीतांजलि ने अनुच्छेद 32 के तहत सुप्रीम कोर्ट में हेबियस कार्पस (बंदी प्रत्यक्षीकरण) याचिका दायर की थी। उन्होंने दावा किया था कि उनके पति की गिरफ्तारी अवैध है। हेबियस कार्पस लैटिन भाषा का शब्द है, इसका मतलब होता है- शरीर सामने लाओ। यानी किसी व्यक्ति को गैर-कानूनी ढंग से गिरफ्तार किया है, हिरासत में रखा है, तो अदालत उस व्यक्ति को तुरंत कोर्ट के सामने पेश करने का आदेश दे सकती है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 32 और 226 के तहत यह अधिकार हर नागरिक को मिला है।

भूस्खलन में 10 लोगों ने गवाई जान, पीएम मोदी ने जताया दुख, कहा- मिलेगी हर संभव मदद

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारी बारिश एवं भूस्खलन के कारण दार्जिलिंग और आसपास के इलाकों में स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। मोदी ने कहा कि उनकी सरकार प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, दार्जिलिंग में पुल दुर्घटना में लोगों की मौत होने से बहुत दुःख हुआ है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, मैं उनके प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा, भारी बारिश और भूस्खलन के मद्देनजर दार्जिलिंग तथा आसपास के इलाकों की स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। हम प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग की पहाड़ियों में शनिवार को कई जगह लगातार बारिश के कारण भूस्खलन होने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग लापता हो गए। भूस्खलन के कारण कई मकान बह गए, सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं और दूरदराज के कई गांवों का संपर्क टूट गया। दार्जिलिंग उप-मंडलीय अधिकारी (एसडीओ) रिचर्ड लेप्चा ने भाषा को बताया कि स्थानीय प्रशासन, पुलिस और आपदा मोचन दल की मदद से बचाव और राहत अभियान जारी है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पीड़ितों के लिए मुआवजे की घोषणा की है लेकिन उन्होंने राशि का कोई जिक्र नहीं किया। बनर्जी ने कहा कि वह छह अक्टूबर को उत्तर बंगाल का दौरा करेंगी और उस क्षेत्र की स्थिति का आकलन करेंगी, जहां बड़ी संख्या में पर्यटक भी प्रभावित हुए हैं।

बारिश की मार झेल रहे किसानों से 'जबरन वसूली'? पवार ने उट कोष पर उठाए सवाल

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र में गन्ना किसानों के फसल नुकसान के बीच शरद पवार ने मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए उनसे कथित 'जबरन वसूली' पर कड़े सवाल उठाए हैं। उन्होंने सरकार से संकटग्रस्त किसानों की मदद करने के बजाय उनसे धन ऐंठने का आरोप लगाते हुए इस निर्णय को तत्काल रद करने की मांग की। पवार ने फसल क्षति के विस्तृत आकलन और प्रभावी किसान सहायता पैकेज की आवश्यकता पर जोर दिया। एनसीपी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र में हाल ही में हुई अत्यधिक वर्षा के कारण किसानों और फसलों को हुए भारी नुकसान पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने विशेष रूप से गन्ने की फसलों को हुए व्यापक नुकसान का मुद्दा उठाया और इस स्थिति से निपटने के लिए राज्य सरकार के फैसलों पर कड़ी आलोचना की। पवार ने वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट के आंकड़ों का हवाला देते

हुए बताया कि मराठवाड़ा और पश्चिमी महाराष्ट्र के कई इलाकों में गन्ने की फसलों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा, 'इस नुकसान का विस्तृत आकलन आवश्यक है।' इस क्षति के मूल्यांकन और आगे की रणनीति पर चर्चा करने के लिए कल (12 तारीख को) एक गवर्निंग काउंसिल की बैठक बुलाई गई है, जिसमें राज्य की सभी चीनी मिलें शामिल होंगी। पवार ने राज्य सरकार से अपेक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि, 'राज्य सरकार से किसानों को अधिकतम सहायता प्रदान करने की अपेक्षा है।' सीएम राहत कोष पर पवार का हमला किसानों को सहायता देने की बात करते हुए, शरद पवार ने एक अन्य सरकारी निर्णय पर कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार नुकसान झेलने वाले किसानों की मदद करने के बजाय, मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए गन्ना उत्पादकों से जबरन धन वसूलने का निर्णय ले रही है।

संक्षिप्त खबरे

भारत माता को लेकर की आपत्तिजनक, टिप्पणी करने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

विदिशा। मध्यप्रदेश के विदिशा जिले में कथित तौर पर भारत माता के अपमान के आरोप में असद खान जिलानी नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले के सिरोंज निवासी जिलानी ने फेसबुक पर एक पोस्ट में भारत माता को कथित तौर पर डायन कहा था, जिसके बाद उसके खिलाफ मामला दर्ज कर यह कार्रवाई की गई। सिरोंज थाना प्रभारी विमलेश राय ने बताया कि चक्रेश्वर दयाल श्रीवास्तव नाम के एक व्यक्ति ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष पर केंद सरकार द्वारा जारी किए गए सिक्के से संबंधित एक पोस्ट फेसबुक पर साझा की थी। उन्होंने कहा कि असद खान ने इस पर टिप्पणी करते हुए लिखा था, ष्इस डायन की पूजा पिशाच करें। जिसके हाथ में तिरंगा नहीं, वह हमारी भारत माता नही। खान की इस टिप्पणी के बाद विश्व हिन्दू परिषद और अन्य हिंदू संगठनों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। राय ने बताया कि खान के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को आहत करने के लिए भारतीय न्याय संहिता की धारा 299 के तहत मामला दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

शाह ने शिरडी में की मुख्यमंत्री फडणवीस और उपमुख्यमंत्रियों से मुलाकात

शिरडी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्रियों एकनाथ शिंदे व अजित पवार के साथ शिरडी में महत्वपूर्ण बैठक की। भाजपा सूत्रों के अनुसार यह बैठक शनिवार देर रात लगभग 45 मिनट तक चली। सूत्रों ने बताया कि बैठक में महाराष्ट्र के कई हिस्सों में हुई भारी बारिश से फसलों को हुए नुकसान और प्रभावित किसानों को तुरंत वित्तीय सहायता देने की आवश्यकता पर विशेष ध्यान दिया गया। नेताओं ने इस मुद्दे पर तत्काल राहत पैकेज की रूपरेखा पर विचार-विमर्श किया। इस बैठक में केवल कृषि संकट ही नहीं, बल्कि राज्य में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं और प्रशासनिक मामलों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। केंद्रीय और राज्य स्तर के नेताओं ने मिलकर आवश्यक कदमों और रणनीति पर चर्चा की। अमित शाह शनिवार रात अहिल्यानगर जिले के शिरडी पहुंचे।

पाकिस्तानी सेना के बाद रक्षामंत्री की भारत को धमकी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने धमकी देते हुए कहा है कि अबकी बार जंग हुई तो भारत अपने लड़ाकू विमानों के मलबे के नीचे दब जाएगा। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि भारतीय लीडरशिप अपनी खोई हुई विश्वसनीयता पाने के लिए भड़काऊ बयान दे रही है। आसिफ ने आरोप लगाया कि नई दिल्ली जानबूझकर तनाव बढ़ा रही है ताकि नागरिकों का ध्यान घरेलू चुनौतियों से भटकाया जा सके। इससे पहले पाकिस्तान सेना ने शनिवार रात को कहा था कि अगर अब दोनों देशों के बीच युद्ध हुआ तो तबाही होगी। अगर दुश्मनी का नया दौर शुरू हुआ तो पाकिस्तान पीछे नहीं हटेगा। हम बिना किसी हिचकिचाहट के जवाब देंगे। पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग आईएसपीआर ने ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी कर कहा था कि भारतीय रक्षामंत्री और सेना के अधिकारियों के गैर-जिम्मेदाराना बयान जंग को बढ़ावा देने की कोशिश हैं। इसके साथ ही भारतीय आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी पर निशाना साधते हुए पाकिस्तानी सेना ने कहा जहां तक पाकिस्तान को नक्शे से मिटाने की बातें हैं। भारत को पता होना चाहिए कि ऐसे हालात आते हैं, तो दोनों देश मिट जाएंगे।

रेलवे बोर्ड ने रानाघाट-बनगांव खंड के दोहरीकरण के लिए 396 करोड़ से अधिक की मंजूरी दी

पश्चिम बंगाल के लोगों के जीवन को आसान बनाने के लिए भारतीय रेलवे द्वारा अधिक सामाजिक अवसंरचना का सृजन

गोरखपुर,: रानाघाट-बनगांव खंड पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल का एक प्रमुख खंड है, जो अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट बनगांव स्टेशन को सियालदह-कृष्णानगर मुख्य लाइन से कम दूरी पर जोड़ता है, जिससे निकटवर्ती जिलों नदिया और उत्तर 24 परगना के बीच माल और स्थानीय यात्रियों की त्वरित आवाजाही संभव हो पाती है। रानाघाट-बनगांव खंड के दोहरीकरण से खंड के विभिन्न स्टेशनों के पूर्व दूरस्थ क्षेत्रों से माल और यात्रियों की निर्बाध

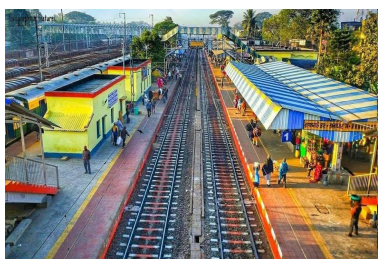

आवाजाही संभव हो सकेगी। कूपर हॉल्ट, नबा रायनगर हॉल्ट, गंगनापुर, माझेग्राम, अकाईपुर हॉल्ट, गोपालनगर और सतबेरिया से पश्चिम बंगाल के अन्य हिस्सों के साथ-साथ देश के अन्य राज्यों तक रेल संपर्क स्थापित किया जाएगा।

रेलवे बोर्ड ने रानाघाट-बनगांव दोहरीकरण कार्य (32.93 किमी) के लिए ?396.04 करोड़ की स्वीकृत दी है, जो इस परियोजना को शीघ्र पूरा करने में सहायक सिद्ध होगी। इस खंड के दोहरीकरण कार्य में कुल 9 स्टेशन और 2 सीमित ऊँचाई वाले सबवे (एलएचएस) शामिल होंगे, जिनमें से एक सबवे को रानाघाट और माझेग्राम के बीच और दूसरे सबवे को माझेग्राम और गोपालनगर के बीच बनाया जाएगा। रानाघाट जंक्शन सियालदह-कृष्णानगर-लालगोला मुख्य लाइन खंड पर स्थित एक स्टेशन है, जबकि बनगांव सियालदह/कोलकाता-दमदम बनगांव-पेट्रापोल (बांग्लादेश सीमा के पास) खंड पर स्थित एक जंक्शन स्टेशन है। भौतिक रूप से ये दोनों स्टेशन नदिया और उत्तर 24 परगना जिलों के सुदूर छोर पर स्थित हैं, जो अब सिंगल लाइन रेलवे नेटवर्क से जुड़े हैं। लेकिन बढ़ती आबादी और तेज रसद और यात्री आवाजाही की आवश्यकता को देखते हुए, तेज कनेक्टिविटी की सख्त जरूरत होगी। हाल ही में राणाघाट और सियालदह के बीच बनगांव होते हुए (रानाघाट-बनगांव मार्ग से) एसी ईएमयू लोकल ट्रेन सेवा शुरू की गई है, जिससे इस क्षेत्र में यात्री सेवा में भी वृद्धि हुई है और रानाघाट और बनगांव के बीच दोहरीकरण कार्य इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए रेलवे सेवा के विस्तार के रेलवे के प्रयासों को गति प्रदान करेगा। इस खंड के वर्तमान 114% क्षमता उपयोग को ध्यान में रखते हुए, दोहरीकरण कार्य से इस खंड पर भीड़-भाड़ कम करने में मदद मिलेगी, जिससे यात्री और माल यातायात दोनों को गति मिलेगी। दोहरीकरण कार्य पूरा हो जाने के बाद, सिंगल लाइन खंड की तरह ट्रेनों को क्रॉसिंग के लिए कोई रुकावट नहीं होगी और रानाघाट और बनगांव के बीच तेज आवाजाही स्थापित हो जाएगी। इस खंड के दोहरीकरण से 0.88 मिलियन टन प्रति वर्ष अतिरिक्त माल यातायात के अवसर भी पैदा होंगे और रानाघाट एवं बनगांव के बीच दोहरी लाइन के इस खंड पर प्रत्येक दिशा में प्रतिदिन 10 अतिरिक्त यात्री रेलगाड़ियों की सेवाएँ उपलब्ध होंगी, जिसके परिणामस्वरूप ?8.66 करोड़ की अतिरिक्त आय होगी। इस खंड के दोहरीकरण से इस क्षेत्र के निवासियों के लिए सामाजिक लाभ भी बढ़े गा, क्योंकि माल एवं यात्री रेलगाड़ियों की निर्बाध आवाजाही होगी और जीवनयापन में आसानी होगी।

जनता जनार्दन अभियान ज्वाला पार्क में लगा विशेष शिविर, महापौर ने सुनीं लोगों की समस्याएं

कानपुर। ज्वाला पार्क में अमर उजाला जनता जनार्दन अभियान के तहत आयोजित विशेष शिविर में महापौर प्रमिला पांडेय ने लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान महापौर ने दो दशक से पार्क पर हुए अवैध कब्जे को तत्काल तोड़ने

का निर्देश जोनल अधिकारी सीपी सिंह को दिया। कानपुर में अमर उजाला के जनता जनार्दन अभियान के तहत रविवार को अजीतगंज वार्ड के अंतर्गत बाबा कुटी स्थित ज्वाला पार्क में एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में महापौर प्रमिला पांडेय और नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों ने लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके तत्काल निस्तारण के निर्देश दिए। शिविर के दौरान, जिस ज्वाला पार्क में कार्यक्रम आयोजित किया गया था। उसी पार्क के एक हिस्से में दो दशक से भी ज्यादा समय से अवैध रूप से कब्जा कर बनाए गए तीन घरों का मामला सामने आया। महापौर प्रमिला पांडेय ने इस अवैध कब्जे को गंभीरता से लेते हुए, जोन-तीन के जोनल अधिकारी सीपी सिंह को तत्काल अवैध कब्जे तोड़ने के सख्त निर्देश दिए।

भाजपा संगठन और प्रशासन की हुई बैठक

बस्ती। शनिवार को बस्ती सदर तहसील सभागार में भाजपा संगठन एवं प्रशासन की समन्वय बैठक हुई। अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने की, जबकि प्रशासन की ओर से उप जिलाधिकारी शत्रुघ्न पाठक रहे। भाजपा पदाधिकारियों ने जनता से जुड़ी कई गंभीर समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इनमें जल जीवन मिशन के अंतर्गत खुदाई के बाद सड़कों की मरम्मत न होने, नगर पंचायतों में नंगे लटक रहे बिजली के तारों, लो वोल्टेज की समस्या, तथा थानों में आम नागरिकों की शिकायतों की उपेक्षा जैसे मुद्दे शामिल रहे। बैठक में नगर एवं मंडल स्तर के पदाधिकारियों ने भी अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं को विस्तार से रखा और उनके समाधान हेतु ठोस कार्रवाई की मांग की। जिलाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार और संगठन, दोनों का उद्देश्य जनता को सुशासन देना है। कार्यकताओं की बात दरअसल जनता की आवाज है, और उसे प्राथमिकता से सुना जाना चाहिए। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से कहा कि फील्ड स्तर पर समस्याओं का त्वरित निस्तारण कर जनता में विश्वास कायम करें।

युवती से दुष्कर्म व धमकाने का केस

बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र में युवती से दुष्कर्म और धमकी का मामला सामने आया है। पीड़िता ने बताया कि अप्रैल 2020 में वह पैदल घर जा रही थी। पूर्व परिचित रेहान उर्फ अयाज अहमद बाइक लेकर पीछे से आया और वह उसे बैठा लिया। आरोप है कि कुछ दूर आगे आरोपी ने सुनसान जगह पर बाइक खड़ी कर युवती को झाड़ी में खींच लिया और गले पर चाकू रखकर दुष्कर्म किया। आरोपी ने अश्लील फोटो और वीडियो भी बना लिया। युवती ने शिकायत करने की बात कही तो आरोपी ने शादी का झांसा देकर कई बार शारीरिक संबंध बनाया। विरोध करने पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी। युवती के गर्भवती होने पर उसने जबरन गर्भपात कराने की कोशिश की। आरोपी के परिवार ने युवती और उसकी मां को धमकी देते हुए घर से भगा दिया। सीओ सिटी सत्येंद्र भूषण तिवारी के निर्देश पर पुलिस ने रेहान उर्फ अयाज अहमद समेत चार लोगों पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इंजीनियर पद पर हुआ चयन, परिवार में खुशी

बस्ती। मुंडरेवा क्षेत्र के सिरौता गांव के रहने वाले रजनीश पांडेय का इंजीनियर पद पर चयन हुआ है। सामान्य परिवार से संबंध रखने वाले रजनीश ने अपनी कड़ी मेहनत के बल पर यह उपलब्धि हासिल की तो उनके परिवार में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। उनका चयन एनटीपीसी में इंजीनियर के पद पर हुआ है। शहर के सरस्वती विद्या मंदिर रामबाग के प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने आईआईटी गुवाहाटी से सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक व एमटेक की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद गेट-2024 की परीक्षा में सफलता हासिल कर नौकरी प्राप्त की। उनकी इस सफलता पर बड़े पिता कौशल पांडेय, भाई अवनीश पांडेय आदि ने प्रसन्नता जताई है।

महिला काश्तकारों को दी गई निशुल्क खतौनी

भानपुर/रुधौली। मिशन शक्ति के तहत संपन्न संपूर्ण समाधान दिवस में महिला हेल्प डेस्क के माध्यम से महिलाओं की समस्याओं का निस्तारण किया गया। पुष्पा पत्नी शिवकुमार निवासी मनौढ़ी के प्रार्थनापत्र पर सुनवाई की गई। विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समय पर गुणवत्ता पूर्वक मामलों के निस्तारण के निर्देश दिए गए। साथ ही फेरसम, भानपुर और केवराखोर में महिला काश्तकारों के पक्ष में पारित विवादित वसीयत और वारिसात संबंधी आदेशों के अनुसार निशुल्क उद्धरण खतौनी क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षक के माध्यम से महिलाओं को उपलब्ध कराई गई। राजस्व निरीक्षक रवि प्रकाश पाठक, सुभाष चौबे, लेखपाल वीरेंद्र चौधरी, कुलदीप पाठक आदि उपस्थित रहे। संपूर्ण समाधान दिवस पर जिलाधिकारी रवीश गुप्ता और एसपी अभिनंदन ने लोगों की शिकायतें सुनी। कुल 26 फरियादियों ने विभिन्न विभागों से जुड़ी अपनी समस्याएं दर्ज कराईं। किसी भी मामले का समाधान नहीं हो सका।

यात्री को लिनेन उपलब्ध कराते हुये ओ.बी.एच.एस. स्टाफ

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर 01 से 15 अक्टूबर, 2025 तक मनाये जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा-2025 के पाँचवें दिन 05

अक्टूबर, 2025 को स्वच्छ रेलगाड़ी थीम के अन्तर्गत मुख्यालय गोरखपुर, लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों, ट्रेनों एवं रेलवे कॉलोनियों में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान स्टेशन परिसर, कार्यालयों, प्रतीक्षालयों तथा प्लेटफार्मों की विशेष

साफ-सफाई की गई। यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। स्वच्छ रेलगाड़ी थीम के अन्तर्गत लखनऊ मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों ने ट्रेनों में लिनेन, पैंट्रीकार इत्यादि के साफ-सफाई की जांच की। ट्रेनों में गहन साफ-सफाई की गई तथा यात्रियों से फीडबैक प्राप्त किया गया एवं ओ.बी.एच.एस. स्टाफ का सम्मानित करने हेतु नामित किया गया। वाराणसी मंडल के आजमगढ़, वाराणसी सिटी, बनारस, भटनी, बेलथरा रोड, बलिया, छपरा, देवरिया सदर, गाजीपुर सिटी, मऊ, प्रयागराज रामबाग एवं सीवान स्टेशनों पर बोतल क्रशर मशीन लगाई गई एवं यात्रियों

को इसका उपयोग करने हेतु प्रेरित किया गया तथा कोचिंग डिपो एवं ट्रेनों में गहन साफ-सफाई की गई। इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर स्टेशनों पर ह्यस्वच्छ रेलगाड़ीह्य थीम के अन्तर्गत ट्रेनों के प्रसाधनों में सफाई की गई। यात्रियों से फीडबैक प्राप्त किया गया एवं ओ.बी.एच.एस. स्टाफ का सम्मानित करने हेतु चिह्नित किया गया। विभिन्न संदेशात्मक पोस्टरों के माध्यम से यात्रियों को जागरूक किया गया।

पुलिस ने मुठभेड़ में 25 हजार के इनामी बदमाश को दबोचा

गाजीपुर। गाजीपुर जिले की पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान 25 हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया। इस दौरान पुलिस की कार्रवाई में बदमाश को गोली लगी। घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया। गाजीपुर जिले में थाना खानपुर पुलिस टीम की बदमाशों से शनिवार को मुठभेड़ हुई। जिसमें 25 हजार का इनामी वांछित शातिर नकबजन मुकेश उर्फ शिप्पू राजभर गोली लगने से घायल हो गया। जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बदमाश के कब्जे से एक तमंचा, एक खोखा और दो जिंदा कारतूस के अलावा चोरी का मोबाइल फोन बरामद किया। सीओ कासिमाबाद शुभम वर्मा ने बताया कि मिशन शक्ति 5.0 के तहत चल रहे अपराध विरोधी अभियान के दौरान थानाध्यक्ष

शैलेन्द्र प्रताप सिंह मय टीम क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक इनामिया बदमाश चांदपुर मोड़ के पास मौजूद है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर उसे घेरने की कोशिश की तो बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की, जिसमें बदमाश के दाहिने पैर में गोली लग गई। उसे तत्काल सीएचसी खानपुर भेजा गया, जहां उसका उपचार कराया जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान मुकेश उर्फ सिप्पू (शिप्पू) राजभर पुत्र राधे उर्फ राधेश्याम राजभर निवासी सिगारपुर गहिरा, थाना खानपुर, गाजीपुर के रूप में हुई है। बताया कि अभियुक्त का लंबा आपराधिक इतिहास है। उसके खिलाफ जौनपुर और गाजीपुर जिलों में एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट और बीएनएस की विभिन्न धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। मुठभेड़ और गिरफ्तारी टीम में थानाध्यक्ष खानपुर शैलेन्द्र प्रताप सिंह, चौकी प्रभारी सिधौना कमल भूषण राय और चौकी प्रभारी मौधा राम बाबू सिंह अपनी टीम के साथ शामिल रहे।बताया कि घायल इनामिया बदमाश के खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी का फैसला गलत

कानपुर। ग्रीनपार्क में भारत-ए और ऑस्ट्रेलिया-ए के बीच सीरीज के अंतिम मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया-ए ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा की घातक गेंदबाजी के सामने ऑस्ट्रेलिया-

ए ने 24 रन पर ही अपने तीन महत्त्वपूर्ण विकेट गँवा दिए। कानपुर में भारत-ए और ऑस्ट्रेलिया-ए के बीच ग्रीनपार्क स्टेडियम में खेली जा रही तीन मैचों की सीरीज के अंतिम मुकाबला रविवार को शुरू हुआ। इसमें ऑस्ट्रेलिया-ए ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सलामी बल्लेबाज मैकेंजी हार्वे और जैक फ्रेजर ने संभलकर बल्लेबाजी करना शुरू किया। हालांकि, 2.2 ओवर में सात रन के योग पर जैक फ्रेजर के रूप में भारत को पहली सफलता अर्शदीप ने दिलाई। उनका कैच विपृज निगम ने पकड़ा। फिर तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए कूपर कोनोली और मैकेंजी ने स्कोर को आगे बढ़ाना शुरू किया।

तीमारदारों ने नर्स से की धक्का-मुक्की

कानपुर। हैलट अस्पताल के वार्ड-13 में मरीज से मिलने आए लोगों और नर्स/महिला सिपाही के बीच धक्का-मुक्की हुई। पुलिस चौकी द्वारा तहरीर लेने से मना करने पर प्राचार्य डॉ. संजय काला भड़क गए और उनकी पुलिस से तीखी बहस हुई। वहीं, जूनियर डॉक्टरों ने एक सुरक्षा गार्ड को नौकरी से हटाने की मांग की है। कानपुर के हैलट अस्पताल में सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर एक बार फिर बड़ा हंगामा खड़ा हो गया। वार्ड 13 के बेड नंबर 21 पर भर्ती रोगी रामप्रकाश मिश्रा से मिलने आए लोगों और ड्यूटी पर मौजूद नर्स के बीच धक्का-मुक्की हुई, जिसमें एक महिला सिपाही भी शामिल

थी। मरीज रामप्रकाश मिश्रा से मिलने आए लोगों को लेकर नर्स और वहां मौजूद महिला सिपाही से विवाद हो गया, जो जल्द ही धक्का-मुक्की में बदल गया। इस घटना के बाद जब पीड़ित पक्ष चौकी में तहरीर देने पहुंचा, तो पुलिसकर्मियों ने तहरीर लेने से मना कर दिया। इस बात पर हैलट अस्पताल के प्राचार्य डॉ. संजय काला भड़क गए। सुरक्षा गार्ड को नौकरी से हटाने की मांग प्राचार्य के हस्तक्षेप के बाद भी पुलिसकर्मियों से उनकी तीखी बहस हुई, जिसने अस्पताल परिसर में तनाव बढ़ा दिया। इसी दौरान अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जूनियर डॉक्टरों और हैलट के एक सुरक्षा गार्ड के बीच भी झगड़ा हो गया। जूनियर डॉक्टरों ने सुरक्षा गार्ड पर ठीक से काम न करने का आरोप लगाते हुए उसे नौकरी से हटाने की मांग की है।

संक्षिप्त खबरें

एल.डब्ल्यू.एल.आर.डी. के 02 तथा पैंट्रीकार के 01 कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा के लिये 15133/15134 छपरा-आनन्द विहार टर्मिनल-छपरा द्वि-साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस वाया गोरखपुर का नियमित संचलन छपरा से 20 अक्टूबर, 2025 से प्रत्येक सोमवार एवं बृहस्पतिवार को तथा आनन्द विहार टर्मिनल से 22 अक्टूबर, 2025 से प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार को निम्नवत किया जायेगा। 15133 छपरा-आनन्द विहार टर्मिनल द्वि-साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस 20 अक्टूबर, 2025 से प्रत्येक सोमवार एवं बृहस्पतिवार को छपरा से 22.00 बजे प्रस्थान कर सीवान से 22.55 बजे, थावे से 23.35 बजे, दूसरे दिन तमकुही रोड से 00.27 बजे, पडरौना से 01.12 बजे, कप्तानगंज से 02.10 बजे, गोरखपुर से 03.25 बजे, खलीलाबाद से 04.03 बजे, बस्ती से 04.31 बजे, बभनान से 04.56 बजे, मनकापुर से 05.37 बजे, गोंडा से 06.35 बजे, बाराबंकी से 08.40 बजे, बादशाहनगर से 09.48 बजे, ऐशबाग से 10.25 बजे, कानपुर सेंट्रल से 13.35 बजे तथा इटावा से 15.45 बजे छूटकर आनन्द विहार टर्मिनल 22.10 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 15134 आनन्द विहार टर्मिनल-छपरा द्वि-साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस 22 अक्टूबर, 2025 से प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार को आनन्द विहार टर्मिनल से 00.20 बजे प्रस्थान कर इटावा से 04.22 बजे, कानपुर सेंट्रल से 07.05 बजे, ऐशबाग से 09.10 बजे, बादशाहनगर 09.33 बजे, बाराबंकी से 10.35 बजे, गोंडा से 13.30 बजे, मनकापुर से 13.54 बजे, बभनान से 14.38 बजे, बस्ती से 15.13 बजे, खलीलाबाद से 15.36 बजे, गोरखपुर से 17.00 बजे, कप्तानगंज से 18.20 बजे, पडरौना से 18.55 बजे, तमकुही रोड से 19.47 बजे, थावे से 20.25 बजे तथा सीवान से 21.25 बजे छूटकर छपरा 22.50 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 08, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 11, एल.डब्ल्यू.एल.आर.डी. के 02 तथा पैंट्रीकार के 01 कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

इंजीनियरिंग कार्य हेतु ब्लॉक दिये जाने के कारण गाड़ी का मार्ग परिवर्तन निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक सुगमता हेतु बैतालपुर-गौरी बाजार डाउन लाइन पर इंजीनियरिंग कार्य हेतु ब्लॉक दिये जाने के कारण गाड़ी का मार्ग परिवर्तन निम्नवत किया जायेगा।

मार्ग परिवर्तन-

-दरभंगा से 06 अक्टूबर, 2025 को चलने वाली 02569 दरभंगा-नई दिल्ली विशेष गाड़ी परिवर्तित मार्ग सीवान-थावे-कप्तानगंज-गोरखपुर के रास्ते चलाई जायेगी।

सत्संग से जागृत होता है विवेक

मुंडेरवा। चीनी मिल परिसर में देवी भागवत कथा में आचार्य दयानिधान पांडेय ने कहा कि कथा सुनने से मन, वाणी और विचार में शुद्धता आती है। विवेक जागृत होने से मनुष्य का कल्याण होता है। आचार्य ने बताया कि सत्संग से मानव का विवेक जागृत होता है और यह संसार के समस्त भौतिक सुख-साधनों से कहीं अधिक मूल्यवान है। कहा कि मनुष्य को सदैव अच्छे लोगों के साथ रहना चाहिए और अच्छे विचारों का सत्संग करना चाहिए। अहंकार व्यक्ति को दूसरों को नीचा दिखाने की ओर ले जाता है, जबकि संस्कारयुक्त व्यक्ति सदैव दूसरों का सम्मान करता है। आचार्य ने यह भी कहा कि रिश्ते तभी सच्चे कहलाते हैं जब वे समय पर साथ दें। कमाई की परिभाषा केवल धन तक सीमित नहीं है, बल्कि अनुभव, रिश्ते, प्रेम, सम्मान और सबक भी कमाई का ही स्वरूप हैं। कथा आयोजन में भरत मौर्या, जोखन अग्रहरि, लक्ष्मण मौर्य, रामकेश शर्मा, रमेश, राकेश आदि उपस्थित रहे।

रामजानकी मार्ग के किनारे रेनकट से खतरा

दुबौलिया। क्षेत्र से होकर गुजरने वाले पौराणिक रामजानकी मार्ग के किनारे वेदपुर-शुकुलपुरा बाजार के सामने रेनकट राहगीरों और वाहन चालकों के लिए खतरा बन चुका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वक्त हादसे की आशंका रहती है। राहगीर रमाशंकर साहू, भोले उपाध्याय, मोनू सिंह, पिंटू सिंह, रामजी शुक्ल और बाबूराम चौरसिया ने बताया कि बारिश के चलते यह गड्ढा और खतरनाक हो गया है। स्थानीय लोगों ने विभाग से जल्द मरम्मत की मांग की है इस रेनकट के कारण न केवल वाहन चालकों की सुरक्षा खतरे में है, बल्कि राहगीरों और आसपास के बाजार में आने-जाने वाले लोगों के लिए भी यह क्षेत्र भयावह बन गया है। स्थानीय लोगों ने कहा कि वेदपुर-शुकुलपुरा मार्ग पर रोजमर्रा के यातायात के लिए यह मार्ग महत्वपूर्ण है। प्रशासन से इस खतरे को अनदेखा न करने की अपील की है।

धूमधाम से मनाया गया गौसे आजम का जन्मदिन

नगर बाजार (बस्ती)। नगर बाजार व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में गौसे आजम उर्फ बड़े पीर दस्तगीर की यौमे पैदाइश अकीदत व एहतराम के साथ मनाई गई। 11वीं शरीफ के नाम से मशहूर इस पर्व पर दिनभर नजर-ओ-नियाज का सिलसिला चलता रहा और जगह-जगह जलसे आयोजित किए गए। सुबह से ही घरों में गौस पाक की नजर-ओ-नियाज की रस्म शुरू हो गई थी। मस्जिदों में महफिलें सजाईं गईं। आलिमों ने गौस पाक की सीरत और अजमत बयान की। उन्होंने लोगों से उनके बताए रास्ते पर चलने की अपील की। जलसे में हाफिज नूर आलम ने कहा कि 11वीं शरीफ सुन्नी मुस्लिम समाज का प्रमुख पर्व है। इसे इस्लाम के महान संत और सूफी विचारधारा के प्रवर्तक हजरत अब्दुल कादिर जीलानी की याद में मनाया जाता है। वे पैगंबर मोहम्मद साहब के वंशज माने जाते हैं और इस्लाम को पुनर्जीवित करने वाले महान संतों में गिने जाते हैं।

बकाया भुगतान के लिए सीएचओ ने सौंपा ज्ञापन

बस्ती। अधिकारियों की लापरवाही से नाराज सीएचओ ने एसोसिएशन ऑफ कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स के बैनर तले बकाया भुगतान के लिए मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम और सीएमओ को सौंपा। सरकार की कार्यशैली पर नाराजगी जताई। अध्यक्ष प्रवेश पटेल ने कहा कि जुलाई 2025 से मानदेय का भुगतान नहीं हुआ। सरकार बार-बार आश्वासन देकर भी स्वास्थ्य कर्मियों को आर्थिक संकट में डाल रही है।

एनजीओ बनाकर जमीन हड़पने का आरोप

रुधौली। तहसील क्षेत्र के तरेता के ग्राम प्रधान राम स्वभाव वर्मा और ग्रामीणों ने शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस में प्रार्थना पत्र दिया कि ग्राम पंचायत पुरवा बडकुईया में गाटा संख्या 516 और 517 माता दुर्गा जी के नाम से सुरक्षित है। यह भूमि सामाजिक आयोजन के लिए प्रयोग होती रही है। ग्रामीणों ने बताया कि भूमि पर पहले शिव मंदिर और दुर्गा पंडाल का निर्माण कराया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग एनजीओ बनाकर इस भूमि पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। शिकायतकताओं में फुतार्राम, प्रभावती, सतीश, राम जी, रामसेवक, कृष्ण चंद्र त्रिपाठी, अनीता, यार मोहम्मद, किसलावती, रामसागर, रमेश चंद्र, राममिलन, राम बहाल, जय श्री लाल आदि मौजूद रहे।

तलाक की अटकलों के बीच शोएब का नया वीडियो वायरल, कही ऐसी बात की पत्नी सना भी हंस पड़ीं

कराची : सोशल मीडिया पर दोनों के बीच सबकुछ ठीक नहीं होने की चर्चा है और ऐसा भी कहा जा रहा है कि मलिक का एक और तलाक हो सकता है। हालांकि, तलाक की अटकलों के बीच एक नया वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में शोएब का मजाकिया जवाब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पाकिस्तान के दिग्गज क्रिकेटर शोएब मलिक पिछले कुछ समय से अपने खेल के बजाय अपनी निजी जिंदगी और विवादों को लेकर ज्यादा चर्चा में हैं। कभी वह सानिया मिर्जा से तलाक को लेकर तो कभी अपनी तीसरी शादी पर उठते सवालों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। अब एक बार फिर वे सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं, लेकिन इस बार वजह एक और तलाक की है। दरअसल, पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब मलिक और एक्ट्रेस सना जावेद के रिश्ते पर सवाल उठ रहे हैं। सोशल मीडिया पर दोनों के बीच सबकुछ ठीक नहीं होने की चर्चा है और ऐसा भी कहा जा रहा है कि मलिक का एक और तलाक हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

अचलेश्वर मंदिर की दान पेटियों से निकले 6 लाख 5 हजार रुपए

ग्वालियर। श्री अचलेश्वर महादेव मंदिर पर शनिवार को 13 दान पेटियों को खोला गया। इन दान पेटियों से 6,03,410 रुपए और 1700 रुपए के सिक्के निकले। इसी के साथ राम नाम के पत्र और एक हजार का चांदी का नोट भी निकला। यह गिनती सुबह 10:30 से शुरू होकर शाम को पूरी हुई। मंदिर के व्यवस्थापक राजेश शर्मा ने बताया कि रुपयों की गिनती 20 लोगों द्वारा की गई।

शरद महोत्सव 13 को : मंदिर के व्यवस्थापक राजेश शर्मा ने बताया कि श्री अचलेश्वर महादेव सार्वजनिक लोकन्यास द्वारा 13 अक्टूबर सोमवार को शरद महोत्सव मनाया जाएगा। प्रसाद के कूपन 5 अक्टूबर से मंदिर कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रसाद का वितरण शाम 5 से रात्रि 9 बजे तक होगा।

बच्चों के दिव्यांगता पहचान पत्र बनाने शिविर कल से

ग्वालियर। बच्चों में दिव्यांगता की पहचान, उपचार एवं दिव्यांगता प्रमाण-पत्र बनाने के उद्देश्य से जिले में तीन विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। पहला शिविर 6 अक्टूबर को जिला चिकित्सालय मुरार में लगाया जाएगा, इसके बाद 10 अक्टूबर को सिविल अस्पताल हजीरा और 15 अक्टूबर को जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र, जयारोग्य चिकित्सालय परिसर में शिविर आयोजित होंगे। सभी शिविर प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक संचालित होंगे। जानकारी के अनुसार 6 अक्टूबर के शिविर में नगर निगम क्षेत्रीय कार्यालय क्र.-8 से 14 और 22 तक की बस्तियों के बच्चों की जांच की जाएगी। 10 अक्टूबर को क्षेत्रीय कार्यालय क्र.-5, 6, 7 और 23 तथा 15 अक्टूबर को क्षेत्रीय कार्यालय क्र.-15, 16, 17, 18, 19, 21, 24 और 25 की बस्तियों के बच्चों की जांच की जाएगी।

मिनिमली इन्वेजिव सर्जरी मरीजों के लिए सुरक्षित

ग्वालियर। ब्रेन और स्पाइन की समस्याओं का इलाज अब मिनिमली इन्वेजिव सर्जरी के माध्यम से सुरक्षित और तेजी से किया जा रहा है। लंबे समय तक इस तरह की सर्जरी बड़े चीरे लगाकर होती रही, जिससे मरीजों को अस्पताल में लंबे समय तक रहना पड़ता और काफी दर्द सहना पड़ता था। डॉ. अनुराग सक्सेना, क्लस्टर हेड, डिपार्टमेंट ऑफ न्यूरोसर्जरी, मणिपाल हॉस्पिटल, द्वारका, नई दिल्ली, ने बताया कि मिनिमली इन्वेजिव सर्जरी में छोटे-छोटे चीरे लगते हैं, जिससे संक्रमण का जोखिम कम होता है, खून कम निकलता है और स्वस्थ टिश्यू को नुकसान नहीं पहुंचता। मरीजों को अस्पताल में कम समय रहना पड़ता है और वे जल्दी अपनी दिनचर्या में लौट आते हैं।

रक्तदान शिविर आज

ग्वालियर। अखिल विश्व गायत्री परिवार ग्वालियर के तत्वावधान में गायत्री चेतना केंद्र पिंटू पार्क पर 5 अक्टूबर रविवार को सुबह 10 बजे से रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी मीडिया प्रभारी लाल बहादुर सिंह ने दी।

बाजार में आए सतरंगी अनार और फुलझड़ियां

इस बार दीपावली पर महंगे मिलेंगे पटाखे

■ ग्वालियर

दीपावली त्योहार को लेकर तैयारियों का दौर शुरू हो गया है। आतिशबाजी शौकीनों के लिए खबर यह है कि इस बार दीपावली पर पटाखे 10 प्रतिशत तक महंगे बिकेंगे। जिसका मुख्य कारण कच्चा माल और मजदूरी का महंगा होना है। मतलब यह कि 100 रुपए का आतिशबाजी का डिब्बा 110 रुपए में मिलेगा। वहीं पटाखा कारोबारी इस बार तमिलनाडु से सतरंगी अनार और फुलझड़ियां लेकर आए हैं जो चलते ही सतरंगी रोशनी करेंगे जो देखते ही बनेगी। इसी के साथ बच्चों के लिए भी आवाज करने वाली चकरी आई है।

6 को लॉटरी से आवंटित होंगी दुकानें

मेला मैदान में लगने वाली आतिशबाजी की दुकानों के लिए 6 अक्टूबर को लॉटरी प्रणाली के माध्यम से स्थान आवंटन किया जाएगा। मुरार एसडीएम एनसी गुप्ता ने नगर निगम को पत्र लिखकर दुकानों का ले-आउट प्लान तैयार करने के निर्देश दिए हैं। नगर निगम की टीम ने मेला मैदान का सर्वे कर दुकानों के ब्लॉक तय करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।यहां बता दें कि पिछले वर्ष आतिशबाजी की बिक्री के लिए 360 लाइसेंस जारी किए गए थे। इनमें से अधिकांश विक्रेताओं ने इस वर्ष रिन्यूअल के लिए आवेदन प्रस्तुत कर दिया है। इसके अलावा 25 नए आवेदकों ने भी आतिशबाजी की दुकान खोलने के लिए अनुमति मांगी है। लॉटरी प्रक्रिया में पुराने और नए सभी पात्र आवेदकों को शामिल किया जाएगा।

अग्निशमन प्रबंध रहेंगे अनिवार्य

प्रशासन ने इस बार सुरक्षा प्रबंधों को और सख्त किया है। हर दुकान में रेत से भरी बाल्टियां, अग्निशमन यंत्र, और सीमित मात्रा में स्टॉक रखने की शर्तें लागू की जाएंगी। दुकानों के बीच पर्याप्त दूरी रखी जाएगी ताकि किसी दुर्घटना की स्थिति में आग फैलने का खतरा न रहे।

चाइना पटाखों पर रहेगा प्रतिबंध

नगर निगम ने शुरू की ले-आउट की तैयारी, 25 नए आवेदक दीपावली पर्व पर इस बार भी शहर में चाइना पटाखों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी भी स्थिति में चाइना पटाखों की बिक्री या भंडारण नहीं किया जाएगा।

आतिशबाजी कारोबारियों ने दिया धरना, व्यवस्था बनाने की मांग

आतिशबाजी कारोबारी अपने कारोबार को लेकर चिंतित हैं और उन्हें मेला मैदान में धरना देने तक की नौबत आ गई है। आतिशबाजी फुटकर विक्रेता संघ के सचिव हरीश दीवान ने बताया कि मेला मैदान में दुकान लगाने की जगह पर पानी भरा हुआ है और झाड़ियां उग आई हैं। जिससे दुकानें लगाने में परेशानी हो रही है। दुकानों के लिए 6 अक्टूबर को लॉटरी निकलना है, लेकिन निगम द्वारा वहां अभी कोई व्यवस्था नहीं की गई है। ऐसे में दुकानें कैसे लगेंगी यह चिंता का विषय बन गया है। धरना प्रदर्शन में राकेश गुप्ता, पंकज राठौर, अमित राठौर, दिनेश जैन आदि शामिल रहे।

फुटबॉल: बिरला नगर क्लब का विजयी आगाज

■ ग्वालियर

बिरला नगर फुटबॉल क्लब की मेजबानी में स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स जेसी मिल्स हाई स्कूल में शनिवार को 7-ए साइड फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ किया गया। जिसमें बिरला नगर क्लब की टीम ने ब्ल्यू टाइगर क्लब को 4-3 से करारी शिकस्त देकर विजयी अभियान शुरू किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद कृष्णराव दीक्षित ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच का शुभारंभ किया। विशेष अतिथि के रूप में राम अवतार बैस, अयोध्या चरण शर्मा, डॉ. विवेक पांडे मौजूद रहे।

प्रतियोगिता का पहला मैच बिरला नगर तथा ब्ल्यू टाइगर क्लब के बीच खेला गया। जिसमें बिरलानगर के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 3 के मुकाबले 4 गोल दागकर जीत दर्ज की। दूसरा मैच यूनाइटेड और आर्मी जूनियर बॉयज के बीच खेला गया। जिसमें आर्मी जूनियर बॉयज ने 2-1 से जीत हासिल की। तीसरा मैच आर्यभट्ट और नंबर वन एयरफोर्स स्कूल के बीच खेला गया, जिसमें आर्यभट्ट ने 1-0 से जीत दर्ज कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

एमिटी विवि में वार्षिक खेल महोत्सव का समापन

'खेल टीम भावना विकसित करने में भी सहायक'

■ ग्वालियर

एमिटी विश्वविद्यालय में वार्षिक खेल महोत्सव संगठन 2025 का समापन समारोह शनिवार को आयोजित हुआ।

समापन समारोह में अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी नवदीप कौर, एकलव्य और विक्रम अवार्डी करिश्मा यादव, तथा आर्म वर्ल्ड रेसलिंग चैम्पियन मनीष कुमार उपस्थित रहे। छात्रों ने उनसे खेल कौशल संबंधी मार्गदर्शन लिया और तस्वीरें खिंचवाईं। मुख्य अतिथि प्रो-चांसलर वीके शर्मा ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि नेतृत्व और टीम भावना विकसित करने में भी सहायक हैं। प्रतियोगिताओं में टीम ए ने 86 अंकों के साथ ओवरऑल चैंपियनशिप जीती। टीम बी दूसरे स्थान पर 75 अंकों के साथ रही, जबकि टीम सी ने 72 अंकों से तीसरा स्थान हासिल किया। टीम डी चौथे स्थान पर रही। समापन अवसर पर विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पदक और ट्रॉफियां प्रदान की गईं। इस अवसर पर विवि के कुलगुरु प्रो. डॉ. आरएस तोमर, प्रो-वीसी (रिसर्च) डॉ. एमपी कौशिक, रजिस्ट्रार डॉ. राजेश जैन सहित अन्य मौजूद रहे।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती मनाई

■ ग्वालियर

कस्तूरबा गांधी विश्रांति भवन न्यास में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती मनाई गई। जिसमें महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया। तत्पश्चात प्रबंध न्यासी जगदीश प्रसाद शर्माल ने महात्मा गांधी के जीवन पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में विमल कुमार आर्य उपाध्यक्ष सेवा भारती महानगर, दिनेश कुमार तिवारी प्रबंधक कस्तूरबा न्यास, कैलाश कुशवाहा पूर्ण कालिक विभाग समन्वयक, भागीरथ कुशवाहा, अशोक कुमार उपाध्याय, समाजसेवी देवदत्त तिवारी, प्रियंका तांबे, सुलेखा चौहान, छुट्टो कुशवाहा, कुसुम मोनिका पाण्डेय, नेहा चौहान आदि उपस्थित रहे।

इसी तरह अखिल भारतीय सामाजिक स्वास्थ्य संघ एवं इंदिरा गांधी कामकाजी महिला आवास गृह में नवीन कार्यकारिणी द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती मनाई गई। जिसमें अध्यक्ष आशा सिंह, उमा चौहान, संस्था स्टाफ एवं महिला आवासीय संस्था में उपस्थित जनों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गई।

राजौरिया की कृतियों ने जीता दर्शकों का मन

● तानसेन कला वीथिका में कल्पवृक्ष सुलेख प्रदर्शनी का समापन

■ ग्वालियर

तानसेन कला वीथिका में आयोजित दो दिवसीय सुलेख प्रदर्शनी कल्पवृक्ष का शनिवार को समापन हुआ। इस मौके पर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर और भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष कमल माखीजानी ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और कलाकार की रचनात्मकता की सराहना की।

प्रदर्शनी में भगवत गीता से प्रेरित 25 कलाकृतियां प्रदर्शित की गईं, जो आध्यात्मिकता और कला का सुंदर संगम प्रस्तुत करती हैं। यह कृतियां भारत सरकार के वाणिज्य विभाग, विदेश व्यापार महानिदेशालय में सहायक महानिदेशक संदीप राजौरिया द्वारा बनाई गई हैं। राजौरिया की यह श्रृंखला पहली बार भारत में प्रदर्शित की गई, जबकि इससे पहले यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिखायी जा चुकी है। प्रदर्शनी में सबसे अधिक ध्यान आकर्षित करने वाली कृति रही सल्यूटेड नमक पेंटिंग, जिसे अब ब्रिटेन और फ्रांस में भी प्रदर्शित किया जाएगा।

संदीप राजौरिया ने बताया कि प्रदर्शनी में एक पेंटिंग 1.25 लाख में खरीदी गई, जिसकी पूरी राशि चैरिटेबल ट्रस्ट को दान की जाएगी। दर्शकों ने भी इस आयोजन को कला और अध्यात्म का अनूठा अनुभव बताया।

'साहित्य हमें सांस्कृतिक इतिहास से अवगत कराता है'

ग्वालियर। माधव महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की सहायक प्राध्यापक प्रेक्षा नाईक ने शनिवार को आयोजित साप्ताहिक व्याख्यान में द कॉन्ट्रिब्यूशन ऑफ लिटरेचर टू इकोलॉजिकल कॉन्सेसनस पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने साहित्य को जीवन, समाज और संस्कृति के रचनात्मक अभिव्यक्ति का माध्यम बताते हुए कहा कि साहित्य हमें मानवीय भावों और सांस्कृतिक इतिहास से अवगत कराता है। प्रेक्षा नाईक ने साहित्य और पारिस्थितिक तंत्र के बीच गहरे संबंधों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग जीवन को खुशहाल बनाता है, जबकि अति दोहन संकट पैदा करता है। व्याख्यान में एको-क्रिटिसिज्म, डीप इकोलॉजी, ओइको पोएटिक्स जैसे विचारों का भी समावेश किया गया।उन्होंने ए.के. रामानुजन की कविताओं के माध्यम से अपनी प्रस्तुति को प्रमाणित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शिवकुमार शर्मा ने की।

'मैं रहूंगा तेरे ख्यालों में जिंदगी के सभी उजालों में'

काव्य अर्चना सम्मान समारोह का आयोजन

■ ग्वालियर

अर्चना अर्पण बामनगया स्मृति संस्थान ग्वालियर के तत्वावधान में गत दिवस पटेल नगर स्थित एक होटल में काव्य अर्चना सम्मान समारोह एवं अ.भा. कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंकज शर्मा रहे। अध्यक्षता साहित्यकार एवं समाजसेवी डॉ. महिमा तारे ने की। इस अवसर पर वर्ष 2025 का अर्चना अर्पण सम्मान साहित्यकार डॉ. अंजना कुमार को शॉल, श्रीफल, सम्मान पत्र, सम्मान निधि एवं पुष्पहार भेंट कर दिया गया।

इस मौके पर वरिष्ठ गीतकार पंकज शर्मा ने अर्चना अर्पण के प्रति सच्ची श्रद्धा का उल्लेख किया। उन्होंने काव्य पाठ करते हुए कहा, 'मैं रहूंगा तेरे ख्यालों में, जिंदगी के सभी उजालों में, क्या मुझे तुम यूं ही चाहोगी, चांदनी जब उगेगी बालों में।

इसी क्रम में पवन आगरी ने कहा 'जब भी मौसम में सर्द आता रह रह कर, मेरे घुटनों में हमेशा दर्द रहता है। प्रीति त्रिपाठी ने कुछ यूं कहा 'सपनों को संग लिए, चुनरी के ढंग लिए देहरी की आन होती हैं, बेटियां गुलाब होतीं हैं'। डॉ. दीपा सैनी ने सुंदर गीत पढ़ते हुए कहा, 'मुदरी की गागर ले जल का भरण करें, बूंदों की वरमाला लेकर धरती अंबर का वरण करें। डॉ. अंजना कुमार ने 'दर्दे दिल हद से बढ़ जाए हमें मंजूर नहीं, झूठी हमदर्दी दिखाएं तो हमें मंजूर नहीं। संचालन पवन आगरी और आभार हर्षित बामनगया ने व्यक्त किया। इस अवसर पर संदीप बामनगया,हर्षित बामनगया, दीक्षा सहित प्रदीप बामनगया, डॉ. मंदाकिनी शर्मा, राम चरण रुचिर, डॉ. अनिल शर्मा एवं सुनील शर्मा उपस्थित रहे।

दुनिया के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में शामिल हुए प्रो. शुक्ला

ग्वालियर। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अरविंद कुमार शुक्ला को अमेरिका की प्रतिष्ठित स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी ने मृदा विज्ञान क्षेत्र में दिया सम्मान

यूनिवर्सिटी द्वारा लगातार तीसरी बार विश्व के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में शामिल किया गया है। यह सूची स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा हर वर्ष वैज्ञानिकों के शोध कार्यों के प्रभाव जैसे साइटेशन इंडेक्स, द-इंडेक्स के आधार पर जारी की जाती है। प्रो. शुक्ला को यह सम्मान मृदा विज्ञान के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट एवं दीर्घकालिक शोध कार्यों के लिए प्रदान किया गया है। वर्ष 2001 से अगस्त 2024 तक उनके शोधपत्र अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स में प्रकाशित हुए हैं, जिन्हें वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय ने सराहा है। प्रो. शुक्ला ने कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं, बल्कि पूरे विश्वविद्यालय और ग्वालियर-मध्यप्रदेश का गौरव है।

69वीं शालेय राज्यस्तरीय कराते व बूशू प्रतियोगिता शुरू

'खेलों से होता व्यक्तित्व का संपूर्ण विकास'

■ ग्वालियर

आज बेटियां किसी भी क्षेत्र में बेटों से कम नहीं है। ग्रामीण से लेकर शहरी क्षेत्र तक बेटियां खेलों में अपना व परिवार का नाम रोशन कर रहीं हैं। हर किसी को खेलों में सहभागिता अवश्य करना चाहिए, क्योंकि अब खेल केवल खेल तक ही सीमित नहीं हैं। आज खेल के माध्यम से हम अपना बेहतर कॅरियर बना सकते हैं। इसके अलावा खेलों के माध्यम से शारीरिक विकास के साथ मानसिक विकास भी होता है। खेल एक ऐसा माध्यम है जिससे हमारे संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास होता है।

यह बात जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गेश कुंवर सिंह जाटव ने बालक-बालिका के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कही। उन्होंने प्रदेशभर से आए खिलाड़ियों को बेहतर खेल प्रदर्शन करने का आशीर्वाद दिया। अध्यक्षता करते हुए जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रियंका सतेन्द्र घुरैया ने भी सभी खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ खेलने के लिए कहा। विशिष्ट अतिथि के रूप में वार्ड 26 की पार्षद ममता अरविंद शर्मा, मंडल अध्यक्ष मुकेश दुबे, भगत सिंह मौजूद रहे। मुख्य अतिथि ने प्रतियोगिता के ध्वज का ध्वजारोहण किया तथा रंग-बिरंगे गुब्बारे छोड़कर प्रतियोगिता के उद्घाटन की घोषणा की। इसके पश्चात सभी खिलाड़ियों ने मार्च पास्ट कर अतिथियों को सलामी दी। सरस्वती वंदना के बाद शासकीय पद्मा विद्यालय की छात्राओं द्वारा बेटी बचाओ -बेटी पढ़ाओ थीम पर सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति दी। प्रतियोगिता का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए शालेय क्रीड़ा जिला अधिकारी आरके सिंह ने बताया कि इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदेश के 10 संभागों से 850 खिलाड़ी एवं 110 ऑफिशियल्स शामिल हो रहे हैं। शासकीय उत्कृष्ट उ.मा. विद्यालय में शुक्रवार से शुरू हुई 69वीं शालेय राज्य स्तरीय कराते एवं बूशू प्रतियोगिता अंडर-17, अंडर 19

समय पर इलाज से कैंसर की रोकथाम संभवः डॉ. चौधरी

■ ग्वालियर

कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान संस्थान द्वारा शनिवार को संस्कृति गुरुकुलम स्कूल में कैंसर केयर प्रोग्राम के अंतर्गत कैंसर जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में डॉ. विजय चौधरी ने ब्लड कैंसर के लक्षणों व कारणों की जानकारी दी और कहा कि समय पर इलाज से यह बीमारी पूरी तरह नियंत्रित की जा सकती है। डॉ. सीमा शिवहरे ने स्तन, मुख एवं ग्रीवा कैंसर की रोकथाम के उपाय बताए और महिलाओं को स्व-परीक्षण तकनीक सिखाई। वहीं कैंसर को रहा चुकीं मीरा श्रीवास्तव ने अपने संघर्ष की प्रेरक कहानी साझा की, जिससे उपस्थितों में सकारात्मक ऊर्जा और जागरूकता बढ़ी। इस अवसर पर विद्यालय संचालक अंकित जैन, कंचन पुरोहित और नैना परिहार मौजूद रहीं।

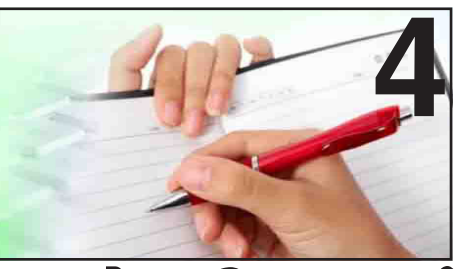

सम्पादकीय

टेरिफवार पर भारी भारत की कूटनीति

अमेरिका और भारत के बीच लंबे समय से चली आ रही टैरिफ वॉर के बीच भारत ने जो कूटनीति की रणनीति अपनाई उसका असर दिखने लगा है।दूसरी बार सत्ता में लौटने के बाद ट्रंप का रुख पहले से कहीं ज्यादा आक्रामक रहा है। टैरिफ उनका सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा रहा है। कई बार उन्होंने विरोधियों के खिलाफ ऐसी भाषा का इस्तेमाल किया, जो शायद ही किसी और वैश्विक नेता से सुनी जाती हो। भारत भी उनकी इस आक्रामकता से अछूता नहीं रहा। कभी पाकिस्तान के साथ खड़े नजर आए, तो कभी भारत के खिलाफ सख्त बयान दिए। लेकिन दिलचस्प यह रहा कि भारत ने ज्यादातर मौकों पर संयमित चुप्पी साधी. जब जरूरत हुई, तभी संतुलित जवाब दिया। शायद इसकी वजह है कि ट्रंप सुबह कुछ कहते और शाम को कुछ और, ऐसे में भारत ने हर बार प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं समझी। इसी कूटनीति और संयम के चलते अमरीकी राष्टपति की धमकी को दरकिनार करते हुए भारत ने रूस से तेल खरीदने का फैसला जारी रखा। इसका परिणाम यह रहा कि रूस के राष्टपति ने भारत के प्रधानमंत्री की अडिगता की कई जगह सार्वजनिक तारीफ की है। गत दिवस रूस के सोची शहर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर हाई टैरिफ वैश्विक कीमतों में वृद्धि करेंगे और अमेरिकी फेडरल रिजर्व को ब्याज दरें ऊंची रखने के लिए मजबूर करेंगे, जिससे अमेरिकी आर्थिक विकास धीमा हो जाएगा। एक अन्य बयान में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि भारत के खिलाफ अमेरिकी टैरिफ विफल होंगे। यूरोप के उलट, भारत और चीन ऐसे देश हैं जो खुद का सम्मान करते हैं। भारत खुद को कभी अपमानित नहीं होने देगा।पुतिन ने आगे इस बात पर जोर दिया कि रूस पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद सकारात्मक आर्थिक विकास को बनाए रखने का लक्ष्य रखता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपना मित्र बताते हुए कहा कि वह उनके साथ भरोसेमंद संबंधों को लेकर सहज महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि व्यापार असंतुलन को दूर करने के लिए रूस भारत से अधिक कृषि उत्पाद और दवाइयां खरीद सकता है। पुतिन ने कहा, भारत से अधिक कृषि उत्पाद खरीदे जा सकते हैं। औषधीय उत्पादों और फार्मास्यूटिकल्स के लिए हमारी ओर से कुछ कदम उठाए जा सकते हैं।यही नही दिसम्बर में उनके भारत आने तथा भारत हित में कई बड़े फैसले लेने से अमरीकी राष्टपति को मिर्ची लगनी तय है। अमेरिका ने जब अपनी शुल्क नीति की घोषणा की, तो उसका मकसद जितना अपने आर्थिक हित सुनिश्चित करना था, उससे ज्यादा इसे प्रभावित होने वाले देशों पर दबाव बनाने के तौर पर देखा गया। सवाल है कि क्या अमेरिका की ओर से पहले पच्चीस और फिर पचास फीसद तकशुल्क लगाने की घोषणा का कारण यह था कि व्यापार वार्ता में भारत को अपनी शर्तों पर सहमत किया जाए ? यह बेवजह नहीं है कि भारत ने अमेरिका के इस रवैये के सामने समर्पण करने के बजाय सख्त विकल्प चुना और अब इसके नतीजे सामने आने लगे हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपनी सरकार को निर्देश दिया कि वह कच्चे तेल के भारी आयात की वजह से भारत के साथ व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए तत्काल उपाय करे। अमल के स्तर पर यह फैसला भारत से अधिक कृषि उत्पाद और दवाओं की खरीद के स्तर पर सामने आ सकता है। अमेरिका ने न केवल शुल्क नीति की घोषणा की, बल्कि भारत पर दबाव बढ़ाने की मंशा से रूस से तेल आयात करने पर जुमार्ना लगाने की भी बात कहीं। इसका आशय साफ था कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद करे। यह भारत के लिए एक धमकी से कम नही था। आज बहुधुवीय होते विश्व में इस तरह भारत जैसे एक संप्रभु और वैश्विक साख वाले देश को अपनी शर्तों पर संचालित कर पाना संभव नहीं हो सकता। यह विचित्र है कि अमेरिका ने इस मसले पर सहयोग और साझेदारी को केंद्र में रख कर नए विकल्प निकालने, द्विपक्षीय हित और सम्मान आधारित आर्थिक संबंध पर विचार करने का रास्ता अख्तियार न करके, दबाव की रणनीति का सहारा लिया।याद करे कि यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध के संदर्भ में अमेरिका और नाटो देशों की ओर से रूस को अलग-थलग करने के लिए जो रणनीति अपनाई जा रही थी, भारत ने प्रकारांतर से उसमें शामिल होने या किसी के सामने झुकने से इनकार कर दिया और रूस से कच्चे तेल का आयात जारी रखा। तेजी से बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों में अमेरिका के हर फैसले को मानने के बजाय भारत के लिए अपने हित को प्राथमिकता देना ज्यादा जरूरी है।जाहिर है, भारत की यह दृढ़ता रूस की नजर में महत्त्वपूर्ण होगी और इसीलिए उसने व्यापार संतुलन कायम करने की पृष्ठभूमि में द्विपक्षीय संबंधों को नए सिरे से आकार देने की ओर कदम बढ़ाया है। भारत और रूस के बीच मित्रतापूर्ण संबंधों का एक लंबा दौर रहा है। विकट स्थितियों में भी दोनों देशों के बीच कभी कोई समस्या या तनावपूर्ण स्थिति नहीं आई, जिसमें किसी पक्ष के भीतर संबंधों को लेकर कोई दुविधा हुई हो। बल्कि कूटनीतिक से लेकर सांस्कृतिक या आर्थिक मोर्चे पर दोनों देशों ने एक-दूसरे की प्राथमिकताओं, जरूरत पर आधारित नीतिगत फैसलों की संवेदनशीलता का हमेशा ध्यान रखा और अपनी सीमा के भीतर हर स्तर पर सहयोग किया।

डा. अंबेडकर और साम्राज्यवाद, ब्राह्मणवाद एवं पूंजीवाद से मुक्ति संघर्ष

सिद्धार्थ रामू

डॉ. आंबेडकर का स्वतंत्रता संग्राम बहुत व्यापक और गहरा था, वह साम्राज्यवाद, ब्राह्मणवाद और पूंजीवाद तीनों के खिलाफ था- कुछ धाराएं सिर्फ साम्राज्यवाद को दुश्मन मान रही थीं, कुछ पूंजीवाद को दुश्मन मार रहे थे, कुछ सामंतवाद को दुश्मन कह रहे, लेकिन इनमें से कोई भारत की बहुसंख्यक आबादी पिछड़ों-दलितों के मुख्य दुश्मन ब्राह्मणवाद का नाम नहीं ले रहा था। एक अकेले डॉ. आंबेडकर थे, जो साम्राज्यवाद, पूंजीवाद और ब्राह्मण तीनों के खात्मे को सभी भारतीयों की स्वतंत्रता की अनिवार्य शर्त मान रहे थे-संदर्भ सावरकर और स्वतंत्रता आंदोलन पर चल रही वर्तमान बहस इतिहासकार गेल ओमवेट ने लिखा है कि आंबेडकर का बुनियादी संघर्ष एक अलग स्वतंत्रता का संघर्ष था। यह संघर्ष भारत के सर्वाधिक संतप्त वर्ग की मुक्ति का संघर्ष था। उनका स्वाधीनता संग्राम उपनिवेशवाद के विरुद्ध चलाए जा रहे स्वाधीनता संग्राम से वृहद और गहरा था। उनकी नजर नवराष्ट्र के निर्माण पर थी।ह्व (स्रोत- आंबेडकर प्रबुद्ध भारत की ओर, पृ.149, गेल ओमवेट) क्यों गेल ओमवेट आंबेडकर के स्वतंत्रता संघर्ष को उपनिवेशवाद के विरूद्ध चलाए जा रहे स्वतंत्रता संघर्ष से वृहद और गहरा कह रही हैं। क्योंकि गांधी के नेतृत्व में चल रहे उपनिवेशवाद (ब्रिटिश औपनिवेशिक सत्ता) संघर्ष के निशाने पर एकमात्र ब्रिटिश सत्ता थी। जिसका मुख्य लक्ष्य अंग्रेजों से राजनीतिक सत्ता हासिल करना था। जबकि आंबेडकर के नेतृत्व में चल रहे स्वतंत्रता संघर्ष के निशाने पर भारत के देशी शोषक-उत्पीड़क थे। जिसे उन्होंने ब्राह्मणवाद और पूंजीवाद के रूप में चिन्हित किया। ऐसा नहीं कि आंबेडकर उपनिवेशवाद को भारतीय जनता के शोषक-उत्पीड़क के रूप में नहीं देखते थे और उससे मुक्ति की जरूरत नहीं समझते थे। उन्होंने साफ शब्दों में लिखा है कि मेरे मतानुसार ब्रिटिश सत्ता तथा ब्राह्मणी सत्ता हिंदू जनता के शरीर पर लगी दो जोंक हैं, तथा ये बिना रूके भारतीय जनता का खून पी रही हैं।ह्व(बहिष्कृत भारत की संपादकीय, सम्यक प्रकाशन पृ.33)। लेकिन वे ब्राह्मणवाद को साम्राज्यवाद (उपनिवेशवाद) से कम बुरा नहीं मानते थे, बल्कि उससे हजार गुना ज्यादा बुरा मानते थे। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि, ब्राह्मणवाद साम्राज्यवाद से हजार गुना बुरा है। (बाबा साहेब डॉ. आंबेडकर, संपूर्ण वांग्मय, खंड-39, पृ.32) उन्होंने भारत के मेहनतकशों (श्रमिकों) के दो दुश्मन चिन्हित किए- ब्राह्मणवाद और पूंजीवाद। डॉ. आंबेडकर ने जीआईपी दलित वर्ग कामगार सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मेरी मान्यतानुसार इस देश में कामगारों को दो शत्रुओं का मुकाबला करना होगा। वे दो शत्रु हैं- ब्राह्मणवाद और पूंजीवाद। ((ठंईीमइ त्त. ।उइमकांत ेतपजपदहे ेदक ैचममबीमे, टवसनउम दनउइमत 17, च्ंतज 3, चंहम दव.177 (बेंचजमत दनउइमत 44). म्दहसपेी मकपजपवद.) साफ है वे भारत के मेहनतकशों की स्वतंत्रता ब्राह्मणवाद और पूंजीवाद से मुक्ति में देखते थे।

आंबेडकर ब्रिटिश सत्ता रूपी जोंक और ब्राह्मणी सत्ता रूपी जोंक दोनों से मुक्ति चाहते थे। वे दोनों के खिलाफ एक साथ संघर्ष चलाने के हिमायती थे। उन्होंने कांग्रेस के सामने यह प्रस्ताव भी रखा था कि यदि वह ब्राह्मणवाद विरोधी उनके संघर्ष को अपने एजेंडे में शामिल कर ले, तो वे कांग्रेस के साथ मिलकर स्वतंत्रता के संघर्ष में हिस्सेदारी करेंगे। कांग्रेस ने उनके इस प्रस्ताव को न स्वीकार किया और न ही कोई जवाब दिया। आंबेडकर भारतीयों की बहुसंख्यक आबादी की स्वतंत्रता की तीन अनिवार्य शर्तें मानते थे। एक ब्रिटिश साम्राज्यवाद से मुक्ति, दूसरी ब्राह्मणवाद से मुक्ति और तीसरी पूंजीवाद से मुक्ति। वे पूरे देश के लिए स्वतंत्रता के लिए साम्राज्यवाद से मुक्ति अनिवार्य मानते थे।

लेकिन साम्राज्यवाद के मुक्ति से ब्राह्मणवाद के चंगुल में पिस रहे लोगों को अनिवार्य और अपरिहार्य तौर पर मुक्ति मिल जाएगी, ऐसा नहीं सोचते थे। इससे उलट उन्हें इस बात की न सिर्फ आशंका थी, बल्कि विश्वास था कि साम्राज्यवाद से मुक्ति के बाद राजनीतिक सत्ता भी उन लोगों के हाथ में चली जाएगी, जो ब्राह्मणवादी शक्तियां हैं। जिनके पास पहले से ही सामाजिक सत्ता है। इसको वे बहुसंख्यक भारतीय समाज विशेषकर दलितों और महिलाओं के लिए आपदा की तरह देखते थे, क्योंकि ऐतिहासिक तौर पर दलित और महिलाएं ब्राह्मणवादी शक्तियों की दासता और शोषण-उत्पीड़न का सबसे अधिक शिकार रही हैं। आंबेडकर का साफ मानना था कि ब्राह्मणवाद से मुक्ति के बिना दलित और महिलाएं स्वतंत्रता की कल्पना भी नहीं कर सकती हैं। उनकी स्वतंत्रता का मुद्दा ब्राह्मणवाद से मुक्ति से जुड़ा हुआ है। साम्राज्यवाद से मुक्ति और ब्राह्मणवाद से मुक्ति से मेहनतकशों को भी मुक्ति मिल जाएगी, उन्हें भी स्वतंत्रता मिल जाएगी, आंबेडकर ऐसा नहीं सोचते थे। उनकी साफ समझ थी कि भारत के मेहनतकशों (कामगारों) को ब्राह्मणवाद से मुक्ति के साथ ही पूंजीवाद से भी मुक्ति हासिल करनी होगी, तभी उन्हें वास्तविक स्वतंत्रता मिल पाएगी। आंबेडकर के पूरे लेखन और संघर्ष को देखकर साफ लगता है कि वह साम्राज्यवाद और ब्राह्मणवाद से मुक्ति के सवाल को एक जनवादी कार्यभार के रूप में देखते थे, भले ही इस रूप में उन्होंने इसे सूत्रबद्ध न किया हो। इन दोनों कार्यभारों को काफी हद तक पूंजीवादी दायरे में भी पूरा किया जा सकता है। लेकिन कामगारों को मुक्ति और स्वतंत्रता पूरी तरह तभी मिल सकती है, जब उन्हें ब्राह्मणवाद के साथ पूंजीवाद से भी मुक्ति मिले। तय है पूंजीवाद से मुक्ति और स्वतंत्रता समाजवाद की ओर ले जाती है। शायद यही वजह है कि आंबेडकर बार-बार समाजवाद की बातें करते दिखते हैं। हालांकि वे समाजवाद की परिकल्पना एक लोकतांत्रिक समाजवाद की रूप में करते हैं। उसे राजकीय समाजवाद कहते हैं। संविधान सभा में नेहरू द्वारा प्रस्तुत संविधान की उद्देशिका पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि उद्देशिका में जिस आर्थिक न्याय और सामाजिक न्याय आदि की बातें की गई हैं, आखिर उन्हें हासिल कैसे किया जाएगा। इसका जवाब देते हुए उन्होंने स्वयं ही कहा कि यह सब समाजवाद के बिना हासिल नहीं किया जा सकता है। यहां तक वे संविधान का अंतिम ड्राफ्ट प्रस्तुत करते हुए कहते हैं कि राजनीतिक समता को सामाजिक और आर्थिक समता कायम किए बिना ज्यादा दिनों तक कायम नहीं रखा जा सकता है। संविधान सभा में शामिल होने से पहले वे खुद जो संविधान (स्टेटस एडं मॉइनारिटीज) तैयार करते हैं, उसमें भारत में राजकीय समाजवाद कायम करने का प्रावधान करते हैं। स्पष्ट है कि आंबेडकर आजादी से पहले भारत की जनता के तीन दुश्मन देखते हैं- साम्राज्यवाद, ब्राह्मणवाद और पूंजीवाद। वे अपने लेखन में बार-बार रेखांकित करते हैं कि ब्राह्मणवादी शक्तियां सिर्फ और सिर्फ साम्राज्यवाद के मुक्ति चाहती हैं। लेकिन वे अपने ब्राह्मणवादी वर्चस्व को छोड़ने के लिए तैयार नहीं, ब्राह्मणवाद विरोधी संघर्ष में उनकी कोई रुचि नहीं है, बल्कि वे उसके खिलाफ हैं। आंबेडकर यहीं नहीं रुकते वे इससे भी आगे बढ़ते हैं, वे मेहनतकशों के लिए भी स्वतंत्रता हासिल करना चाहते हैं, इसके लिए पूंजीवाद से मुक्ति भी अनिवार्य मानते हैं। आंबेडकर स्वतंत्रता के अपने संघर्ष के दायरे में सबको शामिल करते हैं। वे सिर्फ साम्राज्यवाद की गुलामी के शिकार लोगों के लिए स्वतंत्रता नहीं चाहते हैं। वे ब्राह्मणवाद की गुलामी के शिकार लोगों के लिए स्वतंत्रता चाहते हैं, इतना ही नहीं वे पूंजीवाद की गुलामी में पिस रहे लोगों के लिए भी स्वतंत्रता चाहते हैं। उनके स्वतंत्रता संग्राम का दायरा गांधी और कांग्रेस के नेतृत्व में चल रहे स्वतंत्रता संग्राम से बहुत ज्यादा वृहद और गहरा था, जो साम्राज्यवाद, ब्राह्मणवाद और पूंजीवाद के खात्मे तक जाता है।

धर्मनिरपेक्षता सिद्धांत नहीं बल्कि नैतिक आस्था,लोकतंत्र का आधार स्तंभ

संजीव ठाकुर

धर्मनिरपेक्षता भारतीय लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील आधारशिला है। यह केवल संविधान की पंक्तियों में लिखा गया शब्द भर नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जीवन का प्राणतत्व है। भारतीय राजनीति की आत्मा इसी से पोषित होती है। परंतु दुखद है कि आज धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा कई बार केवल संवैधानिक औपचारिकताओं तक सीमित रह जाती है। मणिपुर और उत्तर प्रदेश जैसे प्रदेशों में साम्प्रदायिक झगड़ों की घटनाओं ने इस सिद्धांत की आत्मा को गहरी चोट पहुँचाई है और इसके संवैधानिक अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। धर्मनिरपेक्षता का अर्थ किसी धर्म से विद्वेष रखना नहीं है, बल्कि सभी धर्मों का समान सम्मान करना है। यही कारण है कि भारतीय परंपरा में इसे सर्वधर्म समभावह्न कहा गया है। पश्चिमी संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य है द्द राज्य और धर्म का परस्पर हस्तक्षेप न करना तथा व्यक्ति और उसके अधिकारों को सर्वोच्च मान्यता देना। वहीं भारतीय संदर्भ में यह और अधिक व्यापक हैकृयह न केवल धर्म और राजनीति के पृथक्करण पर बल देता है, बल्कि समाज में विविध धार्मिक मतों के बीच सहिष्णुता, आदर और समान अवसर की स्थापना का भी उपक्रम करता है।भारत की आजादी के बाद से धर्मनिरपेक्षता ने लोकतंत्र को शक्ति दी है। यहां राज्य का अपना कोई धर्म नहीं हैय सब नागरिक कानून और व्यवस्था की दृष्टि से समान हैं। हर व्यक्ति को अपनी इच्छानुसार धर्म अपनाने और उसका पालन करने की स्वतंत्रता है।

संविधान का 42वां संशोधन (1976) इस भावना को और स्पष्ट करता है, जिसमें पंथनिरपेक्षह्न शब्द को प्रस्तावना में जोड़ा गयाकृ अर्थात राज्य किसी विशेष मत को न अपनाएगा और न ही किसी धर्म के प्रति भेदभाव करेगा।महात्मा गांधी, मौलाना आजाद, नेहरू, पटेल और शास्त्री जैसे राष्ट्रपुरुषों ने धर्मनिरपेक्षता को केवल राजनीतिक सिद्धांत नहीं, बल्कि नैतिक आस्था माना। स्वतंत्रता संग्राम से पहले हुए सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलनों ने भी इस मार्ग को प्रशस्त किया। यही कारण है कि भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति विविधता में एकता रही हैकृ और इस एकता का मूल मंत्र धर्मनिरपेक्षता ही है।आज भारत विकास की सीढ़ियाँ चढ़कर एक वैश्विक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। ऐसे समय में हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि हम धर्मनिरपेक्षता की इस स्वस्थ परंपरा को अक्षुण्ण बनाए रखें। लोकतांत्रिक दलों, मीडिया, न्यायपालिका, कार्यपालिका और आम नागरिककृसभी को यह संकल्प लेना होगा कि वे इसे केवल नारों और चुनावी मुद्दों तक सीमित न रखें। क्योंकि जब-जब राजनीति ने धर्मनिरपेक्षता को अपने स्वार्थ के लिए हथियार बनाया, समाज का संतुलन बिगड़ा और आम जनता को उसका खामियाजा भुगतना पड़ा।भारतीय धर्मनिरपेक्षता हमें तर्क, विवेक और स्वतंत्रता की संस्कृति देती है। यह न केवल वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करती है, बल्कि हर नागरिक को आत्मसम्मान और समान अवसर का आश्वासन भी देती है। इस दृष्टि से धर्मनिरपेक्षता भारतीय लोकतंत्र की आत्मा हैकृजो विविधता को एकता में रूपांतरित कर, भारत को विश्व के लिए आदर्श प्रतिमान बना सकती है।आज आवश्यकता है कि इस शाश्वत सिद्धांत को केवल संविधान की पंक्तियों तक सीमित न रखकर, जीवन की प्रत्येक धारा में उतारा जाए। तभी लोकतंत्र मजबूत होगा और भारत का धर्मनिरपेक्ष स्वरूप विश्व मंच पर प्रकाश स्तंभ की भांति जगमगाएगा।

वैश्विक कूटनीति का चातुर्य काल, मोदी डॉक्ट्रिन से मजबूत हुआ भारत

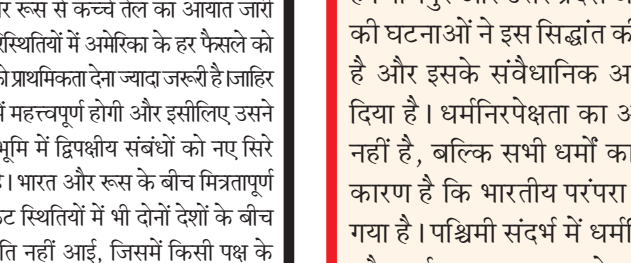

भारत की संप्रभुता के खिलाफ किसी भी कार्रवाई पर तत्काल और कठोर जवाब दिया जाता है। किसी भी तरह के परमाणु युद्ध या जमीनी युद्ध के डर से भारत पीछे नहीं हटता; बल्कि भारत अपनी शर्तों पर कार्रवाई करता है। वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल का तात्पर्य उस दौर से है जब विश्व के देशों के बीच कूटनीति (राजनय) और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में निपुणता, समझदारी और रणनीतिक कुशलता अत्यधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। इस काल में देशों को सीमाओं के पार जटिल राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक संदर्भों में अपने हितों की रक्षा और विस्तार के लिए सूझ-बूझ, संतुलन, संवाद, और मध्यस्थता करनी पड़ती है। 21वीं सदी में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल के अधिष्ठाता समझे जाते हैं। उन्होंने समकालीन विश्व को जो कूटनीतिक संदेश दिया है, वह ।मोदी डॉक्ट्रिन यानी मोदी सिद्धांत के नाम से मशहूर है। कहना न होगा कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का यह काल वैश्विक सत्ता संघर्ष, क्षेत्रीय विवाद, आर्थिक साझेदारी, तकनीकी और आर्थिक सहयोग तथा बहुपक्षीय कूटनीतिक पहलों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय माहौल को स्थिर और सकारात्मक बनाए रखने के लिए दक्षता और चतुराई की आवश्यकता पर जोर देता है। उदाहरण के रूप में, भारत की हाल की विदेश नीति में अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता, मध्य पूर्व संघर्ष, रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे वैश्विक तनावों के बीच तटस्थता और संतुलन बनाए रखने की रणनीति, और क्षेत्रीय सहयोग जैसे क्वाड पहल शामिल हैं, जो वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल की एक झलक हैं। निःसन्देह, इस काल में कूटनीतिक

क्रियाकलाप बिना बल प्रयोग के अपने राष्ट्रों के योगदान और सुरक्षा सुनिश्चित करने पर केंद्रीत होते हैं। इसलिए, वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल का मतलब समग्र वैश्विक वातावरण में सूझ-बूझ और सामंजस्यपूर्ण कूटनीतिक प्रयासों के माध्यम से अपने और वैश्विक हितों को संतुलित और सुरक्षित रूप से आगे बढ़ाने की क्षमता को कह सकते हैं। यह मोदी डॉक्ट्रिन यानी मोदी सिद्धांत से प्रभावित है। दरअसल, मोदी डॉक्ट्रिन का मतलब है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वह नीति-संहिता, जिसमें भारत अपनी विदेश नीति, सुरक्षा नीति और आतंकवाद के खिलाफ रणनीति में पहले से काफी ज्यादा आक्रामक, आत्मनिर्भर और सक्रिय हो गया है। इस सिद्धांत के तहत भारत हर अंतरराष्ट्रीय मसले में 'भारत के हित' को सर्वोपरि रखता है। भारत अब किसी एक गुट का हिस्सा नहीं बनता, बल्कि सभी देशों से कूटनीतिक संबंध मजबूत करता है। भारत 'मल्टी-अलाइनमेंट' को प्रोत्साहित करता है, ताकि उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता बनी रहे। लिहाजा, 'मेक इन इंडिया' और आर्थिक-तकनीकी आत्मनिर्भरता का भी इसमें खास महत्व है। मोदी डॉक्ट्रिन के अनुसार, भारत अब आतंकवाद के खिलाफ सिर्फ डिफेंसिव नहीं, बल्कि आक्रामक रणनीति अपनाता है। सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाइयों ने यह दिखाया है कि भारत अब अपनी सुरक्षा के लिए सीमा-पार कार्रवाई करने से नहीं डरता। अब भारत आतंकवादियों के खिलाफ डोजियर भेजने की नीति को छोड़कर, सीधे सैन्य दबाव बनाता है। भारत की संप्रभुता के खिलाफ किसी भी कार्रवाई पर तत्काल और कठोर जवाब दिया जाता है। किसी भी तरह के परमाणु युद्ध या जमीनी युद्ध के डर से भारत पीछे नहीं हटता; बल्कि भारत अपनी शर्तों पर कार्रवाई करता है। भारत की मजबूत स्थिति का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि पाकिस्तान के ऊपर परोक्ष रूप से चीनी/अमेरिकी हाथ होने के बावजूद भारत ने उसके छक्के छुड़ा दिया और युद्धोंमत पाकिस्तान को भारत के समक्ष घुटने टेकने व गिड़गिड़ाने को मजबूर कर दिया। भारतीय संस्कृति, सभ्यता और योग जैसे वैश्विक अभियान भी इसी नीति का हिस्सा हैं। मोदी डॉक्ट्रिन का मतलब है- निर्णायक, निर्भीक, आक्रामक, बहुपक्षीय, आत्मनिर्भर और भारत-हित केंद्रित नीति, जिससे भारत वैश्विक मंच पर ज्यादा शक्तिशाली स्थिति में पहुंचा है। मसलन, आधुनिक संकटों में चातुर्य काल की अवधारणा को लागू करने का मतलब है जीवन में अनुशासन, संयम, और सूझ-बूझ के साथ संकटों का सामना करना। चातुर्य काल में आत्मसंयम, भक्ति, सामाजिक नियमों का पालन, और मानसिक संतुलन बनाए रखना महत्वपूर्ण होता है। इसी प्रकार, आधुनिक संकटों में- जैसे आर्थिक संकट, पर्यावरणीय समस्याएं, सामाजिक अस्थिरता या वैश्विक तनाव- इन गुणों का पालन करके स्थिरता और समाधान की दिशा में काम किया जा सकता है। चातुर्य काल की तरह, जब हम सीमित संसाधनों में संयमित और विवेकपूर्ण निर्णय लेते हैं, अपने जीवन में नियम और संतुलन बनाए रखते हैं, तो कठिनाइयों का सामना करना आसान हो जाता है। जैसे पारंपरिक चातुर्मास में व्रत और तपस्या से मन की शांति और अनुशासन मिलता है, वैसे ही आधुनिक संकटों में धैर्य, समझदारी, और संतुलित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। इसका अर्थ है कि जब बाहरी परिस्थितियाँ अनिश्चित या कठिन हों, तब भी आंतरिक स्थिरता, नैतिकता, और सामाजिक जिम्मेदारी बनाए रखते हुए समाधान खोजने का प्रयास करना। आधुनिक दुनिया में यह वैश्विक कूटनीति, पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक नीति, और सामाजिक सौहार्द जैसे क्षेत्रों में लागू किया जा सकता है, जहां सरल जीवन और विवेकपूर्ण कूटनीति से संकट प्रबंधन संभव होता है। वाकई वैश्विक कूटनीति के 'चातुर्य काल' के बाबत भारत के प्रधानमंत्री मोदी सिद्धांत को इस अद्भुत 'चातुर्य काल' का श्रेय देना ज्यादा उपयुक्त होगा, क्योंकि समकालीन विश्व में चाहे अमेरिका हो, चीन हो, रूस हो, यूरोपीय संघ हो, या अरब देश हों, सभी भारत के युगांतरकारी गुटनिरपेक्ष कूटनीति की मुखापेक्षी बने हुए हैं। चाहे ऑस्ट्रेलिया हो, अफ्रीकी देश हों या दक्षिण अमेरिकी देश, लगभग सभी भारत की तरह संतुलित राह पर अग्रसर रहना चाह रहे हैं। भारत की बढ़ती प्रगति और मजबूत होते आर्थिक व सैन्य सामर्थ्य से उनकी परिवर्तित निष्ठा भी स्वाभाविक है। चूंकि दुनिया के अधिकांश देश रूढ़िवादी/अनुदार देश हैं, इसलिए वो देश भारत की जनापेक्षी मौलिक नीतियों की नकल भी सही तरीके से नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए इसको नख से सिख तक समझना हरेक भारतीय के लिए बहुत जरूरी है। सच कहूं तो शांतिपूर्ण विकास व सहअस्तित्व का सिद्धांत ही मोदी प्रशासन का एकमात्र ध्येय है। लेकिन इससे हथियार व गोली-बारूद निमार्ता षड्यंत्रकारी पश्चिमी-पूर्वी देशों की अर्थव्यवस्था चरमराने लगी है। कहना न होगा कि पश्चिमी देश भले ही लोकतंत्र व शांति की माला जपते हैं, लेकिन पर्दे के पीछे से अशांति पैदा करने के लिए आतंकवाद, नक्सलवाद और अंडरवर्ल्ड के गुप्त संरक्षक भी यही हैं ताकि इनके हथियार व गोली बारूद का कारोबार चमकता रहे। इनके नशे और आपराधिक गोरखधंधे का तस्करी नेटवर्क खूब फल-फुले। इससे चिकित्सा व सुरक्षा उपकरणों की बिक्री भी खूब बढ़ती है। क्रिप्टो करेंसी व हवाला की आड़ में ये पूरी दुनिया को अस्थिर व असुरक्षित बनाये हुए हैं।

कफ सिरप से बच्चों की मौत की खबरें चिंताजनक, दवाओं की गुणवत्ता पर निगरानी रखना सबसे बड़ी जरूरत

राजस्थान में हालात और भी उलझे हुए हैं। सरकार द्वारा मुफ़्त दवा योजना में बांटी जा रही डेक्स्ट्रोमेथॉर्फन-आधारित सिरप लेने के बाद सीकर, भरतपुर और बांसवाड़ा के कई बच्चों में गंभीर लक्षण दिखे, जैसे- उल्टी, चक्कर, बेहोशी और घबराहट। मध्य प्रदेश और राजस्थान से बच्चों की मौतों की जो खबरें आईं, उन्होंने पूरे देश की नींद उड़ा दी है। महज खांसी-जुकाम जैसी सामान्य बीमारी के लिए दी जाने वाली खांसी की दवा, बच्चों के जीवन पर इतनी घातक साबित होगी, इसकी कल्पना भी नहीं की गई थी। पिछले एक महीने में मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा ज़िले में 9 बच्चों की मौत और राजस्थान के विभिन्न जिलों में 3 बच्चों की मौत ने चिकित्सा व्यवस्था, दवा नियमन और प्रशासनिक सतर्कता, तीनों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि केंद्र सरकार ने साफ किया है कि मध्य प्रदेश से लिए गए 19 सैंपल्स में से 9 की जांच रिपोर्ट में डायथिलीन ग्लाइकोल या एथिलीन ग्लाइकोल जैसी जानलेवा रसायनों की मौजूदगी नहीं पाई गई है। हम आपको बता दें कि यह वही तत्व हैं जिन्होंने 2019 में जम्मू और 2022-23 में गाम्बिया व उज्बेकिस्तान जैसे देशों में भारतीय दवाओं को लेकर वैश्विक स्तर पर विवाद ख हम आपको बता दें कि छिंदवाड़ा के पारासिया और आसपास के गांवों में अगस्त के अंत से बच्चों में सर्दी-खांसी और हल्का बुखार देखा गया। डॉक्टरों ने उन्हें साधारण खांसी की सिरप और दवाएं दीं। लेकिन कुछ ही दिनों में बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी, पेशाब कम होना, शरीर में सूजन और किडनी से जुड़ी जटिलताएं बढ़ने लगीं। नतीजतन, नौ मासूमों की जान चली गई और पांच बच्चे नागपुर में विशेष इलाज के लिए भर्ती हैं। राजस्थान में हालात और भी उलझे हुए हैं। सरकार द्वारा मुफ़्त दवा योजना में बांटी जा रही डेक्स्ट्रोमेथॉर्फन-आधारित सिरप लेने के बाद सीकर, भरतपुर और बांसवाड़ा के कई बच्चों में गंभीर लक्षण दिखे, जैसे- उल्टी, चक्कर, बेहोशी और घबराहट। इनमें तीन बच्चों की मौत भी हो चुकी है। राज्य स्वास्थ्य विभाग ने भले ही इन मौतों को सीधे दवा से जोड़ने से इंकार किया हो, लेकिन तत्काल प्रभाव से संबंधित कंपनियों की दवाओं की आपूर्ति रोक दी गई है। जयपुर स्थित डं८ रंल्लर ढँ की 19 दवाओं पर रोक इसीलिए लगाई गई क्योंकि कंपनी की दवा गुणवत्ता का रिकॉर्ड पहले से संदिग्ध रहा है। कंपनी के 10,119 सैंपल्स में से 42 घटिया पाए गए थे। देखा जाये तो भारत दुनिया का फार्मेसी हब कहलाता है, लेकिन समय-समय पर घटिया दवाओं के मामले हमारी छवि को धूमिल करते हैं। सवाल यह है कि जब दवा कंपनियों के खिलाफ पहले से संदिग्ध रिपोर्ट थीं, तो उन्हें सरकारी योजनाओं में शामिल क्यों किया गया? साथ ही विशेषज्ञ लगातार कहते आए हैं कि दो साल से छोटे बच्चों को खांसी-जुकाम की दवाएं नहीं दी जानी चाहिए। लेकिन ग्रामीण और अर्धशहरी इलाकों में अक्सर बिना उचित परामर्श के इन्हें दिया जाता है। यही लापरवाही जानलेवा बनती है।

भारतीय महिला खिलाड़ियों ने भी बरकरार रखी नो हैंडशेक नीति, हरमनप्रीत ने फातिमा को किया नजरअंदाज

कोलंबो : भारत और पाकिस्तान के बीच कोलंबो में विश्व कप का मैच खेला जा रहा है। इस दौरान हरमनप्रीत कौर ने पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना से हाथ नहीं मिलाए। महिला वनडे विश्व कप के मुकाबले के दौरान भारतीय महिला खिलाड़ियों ने भी पाकिस्तान के खिलाफ नो हैंडशेक नीति बरकरार रखी है। भारत और पाकिस्तान के बीच कोलंबो में विश्व कप का मैच खेला जा रहा है। इस दौरान हरमनप्रीत कौर ने पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना से हाथ नहीं मिलाए। पाकिस्तान ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया है। हरमनप्रीत ने फातिमा से नहीं मिलाए हाथ दोनों देशों के बीच रिश्ते पिछले कुछ महीनों से काफी तनावपूर्ण चल रहे हैं, ऐसे में इसका प्रभाव मैदान पर भी दिख रहा है। हाल ही में पुरुष एशिया कप के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच तीन बार मुकाबला हुआ और तीनों ही मैचों में विवाद देखने मिला।

भाईजान इब्राहिम संग पहली बार रैंप पर उतरीं सारा अली खान, भाई-बहन की केमिस्ट्री ने जीता सबका दिल

बॉलीवुड के स्टार भाई-बहन सारा अली खान और इब्राहिम अली खान की बॉन्डिंग किसी से छिपी नहीं है। दोनों अक्सर साथ में वक्त बिताते हैं और अपनी प्यारी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करते रहते हैं।

हाल ही में दोनों ने पहली बार साथ में रैंप वॉक कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। सारा और इब्राहिम ने मशहूर डिजाइनर अभिनव मिश्रा के नए कलेक्शन के लिए रैंप वॉक किया। डिजाइनर ने इस मौके पर अपनी नई शाही ड्रेस लाइन लॉन्च की, जिसमें भाई-बहन की जोड़ी ने ग्लैमर और मस्ती दोनों का तड़का लगाया। रैंप शो के दौरान इब्राहिम अली खान ने कतान सिल्क से बनी एक शानदार शेरवानी पहने नजर आए। इस पोशाक पर शीशे का बारीक काम और सुनहरी जरी-रेशम की खूबसूरत कढ़ाई की गई थी।

उनकी ड्रेस में एक शाही अंदाज झलक रहा था, जिससे वह किसी राजकुमार से कम नहीं लग रहे थे। वहीं सारा अली खान ने रैंप पर एक रॉयल एथनिक ड्रेस पहनी, जिस पर हाथ से की गई जरी और रेशम की कढ़ाई ने इसे बेहद खास बना दिया।

ड्रेस में लगे झिलमिलाते क्रिस्टल और शीशे के वर्क ने उनके लुक को और भी निखार दिया। उनकी मुस्कान और आत्मविश्वास ने शो में चार चांद लगा दिए। दिल्ली के छतरपुर स्थित संस्कृति ग्रीन्स में शनिवार, 4 अक्टूबर को हुए इस फैशन शो में पहली बार सारा और इब्राहिम ने साथ में रैंप वॉक किया, जहां दोनों की केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया।

वहां मौजूद लोगों ने भाई-बहन की जोड़ी की तारीफ करते हुए जमकर तालियां बजाईं। सारा अली खान को हाल ही में फिल्म मेट्रो इन दिनों में देखा गया था, जिसमें उनके साथ आदित्य रॉय कपूर, फातिमा सना शेख, अली फजल और अनुपम खेर जैसे सितारे नजर आए थे।

अब सारा जल्द ही अपनी अगली फिल्म पति, पत्नी और वो दो में दिखाई देंगी। वहीं इब्राहिम अली खान ने हाल ही में अपनी डेब्यू फिल्म सरजमीं से बॉलीवुड में कदम रखा है।

इस फिल्म में उनके साथ काजोल और पृथ्वीराज सुकुमारन नजर आए थे। अब इसके बाद इब्राहिम अपनी अगली फिल्म दिलेर की तैयारी में जुटे हुए हैं।

दूसरी बार पिता बने अरबाज खान, बीवी शूरा ने दिया बेटी को जन्म

बॉलीवुड के फेमस खानदान सलमान खान की फैमिली से एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। बॉलीवुड एक्टर और फिल्ममेकर अरबाज खान दूसरी बार पिता बन गए हैं। उनकी दूसरी पत्नी शूरा खान ने एक प्यारी सी बच्ची को जन्म दिया है। अरबाज खान ने अपनी दूसरी शादी शूरा खान से दिसंबर 2023 में की थी। यह शादी एक निजी समारोह में हुई थी और इसमें खान परिवार के कुछ करीबी दोस्त और सदस्य शामिल हुए थे। अरबाज खान की पहली पत्नी मलाइका अरोड़ा थीं, जिनसे उनका 2017 में तलाक हो गया था। शूरा खान एक प्रसिद्ध मेकअप आर्टिस्ट हैं। उनकी मुलाकात अरबाज खान से फिल्म पटना शुक्ला के सेट पर हुई थी, जहाँ अरबाज निमार्ता थे और शूरा मेकअप आर्टिस्ट के तौर पर काम करती थीं।

अनीता हसनंदानी बनी छोरियां चली गांव की विजेता, गांव में धूमधाम से जश्न मनाया गया

रियलिटी शो छोरियां चली गांव का अंत हो चुका है और इस बार की ट्रॉफी अनीता हसनंदानी के नाम रही। 2 महीने तक चले इस अनोखे शो में सितारों ने गांव की जिंदगी को करीब से समझा और वहां के लोगों के साथ वक्त बिताया। शो के ग्रैंड फिनाले में ढोल-ताशे की गड़गड़ाहट के बीच अनीता की जीत का ऐलान किया गया, जिससे पूरे गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। छोरियां चली गांव में फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। आखिरी दौर तक अनीता हसनंदानी और कृष्णा श्रॉफ के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। कृष्णा श्रॉफ फर्स्ट रनरअप रहीं। शो की मेजबानी रणविजय सिंह ने की। इस रियलिटी शो में प्रतिभागियों को गांव की पारंपरिक जिंदगी के हर पहलू से रूबरू होना पड़ा द्द चाहे वह गाय का दूध निकालना हो या खाने के लिए कुएं से पानी लाना। अनीता ने अपने आत्मविश्वास, मेहनत और सूझ-बूझ से गांववालों का दिल जीत लिया और ट्रॉफी अपने नाम की। फिनाले में टॉप 5 कंटेस्टेंट्स ने शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान डॉली जावेद की बहन उर्फी जावेद और कृष्णा श्रॉफ के बॉयफ्रेंड अजीम भी नजर आए। अनीता ने अपनी जीत पर खुशी जाहिर करते हुए कहा,जब मैंने इस शो के लिए हामी भरी तो मुझे पता था कि यह मेरा कम्फर्ट जोन तोड़ने वाला अनुभव होगा। लेकिन मुझे यकीन नहीं था कि मैं इतना कुछ सीख पाऊंगी और खुद को इतना बेहतर बना पाऊंगी। यह जीत सिर्फ मेरी नहीं, बल्कि मेरे परिवार की भी है ।ह्वछोरियां चली गांव के दौरान प्रतिभागियों ने न केवल अपनी कड़ी मेहनत दिखाई बल्कि गांववालों की मदद करने का भी बड़ा काम किया। डॉली जावेद ने किरण और उनकी मां को 60,000 रुपये और एक सिलाई मशीन दी। सुरभि मेहरा ने विनायक स्कूल के बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाने का वादा किया। अनीता हसनंदानी ने शगुना बाई के पोते की पूरी पढ़ाई का खर्च उठाने का कमिटमेंट लिया। कृष्णा श्रॉफ ने मनीष को खेती के लिए 1 लाख रुपये की मदद दी।

यह शो खास इसलिए था क्योंकि इसमें शहरी जीवन से दूर, सेलेब्रिटीज को गांव के कठिन संघर्षों से रूबरू कराया गया। इस दौरान उन्होंने गांववालों के साथ जुड़ाव बनाया और उनकी समस्याओं को समझा। कई कंटेस्टेंट्स ने इस दौरान गांव की समस्याओं को उजागर करते हुए मदद भी की, जो शो की सबसे बड़ी खासियत बनी।

ट्रिप से ठीक पहले अर्चना पूरन सिंह की होने वाली बहू के साथ बड़ा हादसा, बेटे आर्यमान ने दलेरी से यूं बचाई अपनी मंगेतर की जान

मशहूर एक्ट्रेस और कॉमेडियन अर्चना पूरन सिंह इन दिनों अपने परिवार के साथ एक रोमांचक ट्रिप पर निकली हैं। इस ट्रिप में उनके बेटे आर्यमान, छोटा बेटा आयुष्मान और आर्यमान की मंगेतर योगिता बिहानी भी शामिल थीं, लेकिन सफर शुरू होने से ठीक पहले एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। यात्रा शुरू होने से पहले योगिता बिहानी बादाम खा रही थीं। इसी दौरान एक बादाम का टुकड़ा उनके गले में फंस गया, जिससे उन्हें सांस लेने में परेशानी होने लगी। देखते ही देखते योगिता चोक हो गईं और उनका दम घुटने लगा। जैसे ही योगिता को सांस लेने में तकलीफ हुई, आर्यमान और उनके भाई आयुष्मान तुरंत उनके पास दौड़े। आर्यमान ने घबराए बिना योगिता की मदद करने की कोशिश की और उन पर हाइमलिक प्रक्रिया अपनाई। यह एक ऐसी तकनीक होती है जिसमें किसी के गले में कुछ फंस जाने पर उसके पेट के ऊपर दबाव बनाकर फंसा हुआ टुकड़ा बाहर निकालने की कोशिश की जाती है। काफी कोशिशों के बाद आखिरकार योगिता के गले में फंसा बादाम का टुकड़ा बाहर निकल गया। हालांकि उस दौरान वह लगातार खांसती रहीं और पूरी घटना ने सबको हिला दिया। घटना के कुछ मिनट बाद जब सब संभल गए और परिवार कार में बैठकर लोनावला की ओर रवाना हुआ, तो आर्यमान ने अपनी मंगेतर से कहा,योगिता, तुमने मुझे बहुत डरा दिया। ये बहुत ज्यादा था। इस हादसे के बाद अर्चना पूरन सिंह ने परिवार के लिए एक नया नियम बना दिया। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा- अब से योगिता के लिए एक नया रूल है। जब भी वो कुछ खाएंगी, परिवार का कोई न कोई सदस्य उनके पास जरूर रहेगा। अर्चना ने बताया कि जब ये सब हुआ, वह और बाकी लोग पहले ही कार में बैठ चुके थे। उन्होंने घर के नौकर मुकेश से पूछा, इतना समय क्यों लग रहा है? तो उसने जवाब दिया, मैडम बादाम खा रही हैं। लेकिन उसने यह नहीं बताया कि योगिता को गले में कुछ फंस गया है। अच्छी बात यह रही कि आर्यमान की सूझबूझ से समय पर योगिता की जान बच गई और अब वह पूरी तरह ठीक हैं। इसके बाद पूरा परिवार मुस्कुराते हुए अपनी ट्रिप पर निकल पड़ा।

51 की उम्र में भी मलाइका अरोड़ा का फिगर देख दंग रह जाएंगे, शेयर किए फिटनेस के 6 योग राज!

बॉलीवुड की फिटनेस आइकन मलाइका अरोड़ा ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि उम्र फिटनेस के सामने मायने नहीं रखती। 51 साल की उम्र में भी उनकी टोंड बॉडी, एनर्जी और लचीलापन युवा अभिनेत्रियों को भी मात देता है। मलाइका ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर छह योग पोज शेयर करते हुए अपने फैंस को हेल्दी लाइफस्टाइल और फिटनेस का मंत्र बताया। मलाइका अरोड़ा ने अपने इंस्टाग्राम पर 6 योग आसनों वीडियो की एक सीरीज शेयर की है। उन्होंने लिखा,6 जेंटल योगा पोज, जिसे करने पर आपका शरीर आपको धन्यवाद देगा। ये योगासन न केवल शारीरिक लचीलापन बढ़ाते हैं, बल्कि मानसिक शांति और हेल्दी जीवन के लिए भी फायदेमंद हैं। मलाइका न केवल योग को प्राथमिकता देती हैं, बल्कि हेल्दी डाइट और प्रॉपर स्लीप को भी फिटनेस का अहम हिस्सा मानती हैं। वह अक्सर अपनी डेली रूटीन और हेल्थ टिप्स सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं, जिससे उनके लाखों फैंस प्रेरित होते हैं।फिटनेस सिर्फ लुक्स के लिए नहीं, बल्कि आत्मा की मजबूती के लिए जरूरी है। 51 की उम्र में भी मलाइका अरोड़ा न केवल युवा पीढ़ी, बल्कि सभी महिलाओं के लिए एक रोल मॉडल बन चुकी हैं। उनका मानना है कि खुद से प्यार करना और अपने शरीर को समझना, स्वस्थ और खुशहाल जीवन की कुंजी है।

सामंथा रुथ प्रभु ने छात्रों को दी खास सलाह, वीडियो शेयर कर स्टूडेंट लाइफ को किया याद

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने छात्रों को तनाव से निपटने के लिए कुछ आसान सलाह दी। उन्होंने वीडियो शेयर कर बताया कि कैसे उन्होंने स्कूल के दिनों में सहानुभूति, दया और अच्छा इंसान बनना सीखा। साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर एक खास वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में उन्होंने अपनी स्टूडेंट लाइफ को लेकर आज के छात्रों को खास सलाह दी और बताया कि उन्होंने आखिर एक छात्र के रूप में क्या कुछ सीखा और यह सबकुछ उनके लिए क्या मायने रखता है। सामंथा का पोस्ट रविवार को सामंथा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने प्रशंसकों के साथ एक खास वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में सामंथा ने कहा, 'मेरे स्कूल के दिनों की बहुत सारी यादें हैं, लेकिन आजकल के छात्रों का तनाव सुनकर दुख होता है। मुझे लगता है कि अच्छे नंबर सब कुछ नहीं हैं। स्कूल में सबसे अच्छी चीज दोस्ती, दूसरों का सम्मान और दया सीखा था।' सामंथा ने आगे कहा, 'मैंने स्कूल में किताबी बातें भूल गईं, लेकिन ये गुण आज भी मेरे काम आते हैं। ये जीवन के लिए सबसे जरूरी हैं।' फिर सामंथा ने 2023 की एनसीआरबी रिपोर्ट शेयर की, जिसमें बताया गया कि महाराष्ट्र में छात्रों की आत्महत्याओं के सबसे ज्यादा मामले हुए। उन्होंने इस पर दिल टूटने वाली इमोजी लगाई। सामंथा का वर्कफ्रंट सामंथा रुथ प्रभु नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'रक्त ब्रह्मांड' (फं३ इ१ँल्ला) और तेलुगु फिल्म 'मां इंति बंगाराम' में नजर आएंगी। वह वेब सीरीज 'सिटाडेलः हनी बनी' के सीजन 2 में भी नजर आएंगी। वह 'द फैमिली मैन' और 'सिटाडेलः हनी बनी' के निर्देशक राज और डीके के साथ एक प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं। 'रक्त ब्रह्मांड' में सामंथा के अलावा आदित्य रॉय कपूर, अली फजल, और वामिका गब्बी जैसे कलाकारों नजर आएंगे।

रणजी चैंपियन विदर्भ ने शेष भारत को हराकर जीता ईरानी कप का खिताब, ढुल की पारी पर भारी पड़े हर्ष दुबे

नागपुरः विदर्भ ने पहली पारी में 128 रनों की बढ़त हासिल की। विदर्भ ने फिर दूसरी पारी में 232 रन बनाए और शेष भारत को 361 रनों का लक्ष्य दिया। हालांकि, शेष भारत की टीम दूसरी पारी में 267 रन पर ऑलआउट हो गई। हर्ष दुबे की शानदार गेंदबाजी की मदद से रणजी चैंपियन विदर्भ ने शेष भारत को 93 रनों से हराकर ईरान कप का खिताब अपने नाम कर लिया। विदर्भ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 342 रन बनाए और शेष भारत की पहली पारी 214 रन पर ऑलआउट कर दी। इस तरह विदर्भ ने पहली पारी में 128 रनों की बढ़त हासिल की। विदर्भ ने फिर दूसरी पारी में 232 रन बनाए और शेष भारत को 361 रनों का लक्ष्य दिया। हालांकि, शेष भारत की टीम दूसरी पारी में 267 रन पर ऑलआउट हो गई और उसे हार का सामना करना पड़ा।

टैरिफ, राष्ट्रपति की शक्तियां व नागरिकता, सुप्रीम कोर्ट के नए कार्यकाल में इन मामलों पर आना है फैसला

नईदिल्ली : अमेरिका में सुप्रीम कोर्ट का एक महत्वपूर्ण कार्यकाल सोमवार से शुरू हो रहा है। इस कार्यकाल में राष्ट्रपति की शक्तियों के परीक्षण के साथ-साथ मतदान और एलजीबीटीक्यू लोगों के अधिकारों से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों पर सुनवाई होनी है। आइए इस विषय के बारे में विस्तार से जानते हैं।

अमेरिका में सुप्रीम कोर्ट का एक महत्वपूर्ण कार्यकाल सोमवार से शुरू हो रहा है। इस कार्यकाल में राष्ट्रपति की शक्तियों के परीक्षण के साथ-साथ मतदान और एलजीबीटीक्यू लोगों के अधिकारों से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों पर सुनवाई होनी है। अदालत का रूढ़िवादी बहुमत अब तक कम से कम शुरूआती फैसलों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कई आक्रामक अधिकार-प्रत्यारोपों के प्रति सकारात्मक रहा है। उदारवादी न्यायाधीश केतनजी ब्राउन जैक्सन ने कैल्विन एंड हॉब्स कॉमिक स्ट्रिप का हवाला देते हुए ऐसे ही एक फैसले में रिसर्च फंडिंग में 78.3 करोड़ डॉलर की कटौती की अनुमति दी थी। जैक्सन ने लिखा, यह कैल्विनबॉल न्यायशास्त्र का एक अनोखा पहलू है। कैल्विनबॉल का सिर्फ एक ही नियम है। कोई निश्चित नियम नहीं हैं। हमारे पास दो नियम हैं: पहला, और दूसरा, यह प्रशासन हमेशा जीतता है। कंजर्वेटिव न्यायाधीश ट्रंप की कुछ नीतियों की गहन जांच करते समय अधिक संशयी हो सकते हैं। इनमें राष्ट्रपति की ओर से टैरिफ लगाना और जन्मजात नागरिकता पर उनके वांछित प्रतिबंध शामिल हैं। जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय के विधि विद्यालय में सुप्रीम कोर्ट संस्थान के कार्यकारी निदेशक इरव गोर्नस्टीन के अनुसार यदि अदालत में रूढ़िवादी-उदारवादी विभाजन जारी रहता है तो हम अब तक के सबसे अधिक ध्रुवीकरण वाला दौर देखेंगे। न्यायाधीश अगले 10 महीनों में ट्रंप के कुछ सबसे विवादास्पद प्रयासों पर फैसला सुनाएंगे। राष्ट्रपति की शक्तियों पर तीन प्रमुख मामले विचाराधीन हैं नवंबर की शुरूआत में न्यायाधीश ट्रंप के आर्थिक एजेंडे से जुड़े एक अहम मामले की सुनवाई कर रहे हैं। यहां वे कई तरह के व्यापक टैरिफ की वैधता पर विचार कर रहे हैं। दो निचली अदालतों ने पाया है कि रिपब्लिकन राष्ट्रपति के पास आपातकालीन शक्तियों वाले कानून के तहत एकतरफा व्यापक टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं है। राज्यों और छोटे व्यवसायों का तर्क है कि ट्रंप राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा करके और उनसे निपटने के लिए टैरिफ का उपयोग करके कांग्रेस की कराधान शक्तियों को नहीं हड़प सकते। हालांकि, प्रशासन का कहता है कि यह कानून राष्ट्रपति को आयात को विनियमित करने का अधिकार देता है, और इसमें टैरिफ जैसे शुल्क भी शामिल हैं। वाशिंगटन स्थित एक संघीय अपील अदालत के चार असहमत न्यायाधीशों ने इस तर्क को स्वीकार करते हुए उच्च न्यायालय में संभावित कानूनी रास्ता तैयार किया। दिसंबर में, न्यायाधीश स्वतंत्र एजेंसियों के सदस्यों को अपनी इच्छानुसार बर्खास्त करने के ट्रंप के अधिकार पर विचार करेंगे। यह एक ऐसा मामला है जो संभवतः अदालत को 90 साल पुराने फैसले को पलटने या उसे पूरी तरह से सीमित करने के लिए प्रेरित करेगा। इसके लिए राष्ट्रपति की सीनेट की ओर से अनुमोदित अधिकारियों को उनके पदों से हटाने से पहले कर्तव्य की उपेक्षा जैसे किसी कारण की आवश्यकता होती थी। इस मामले में भी नतीजों पर स्थिति साफ नहीं है क्योंकि रूढ़िवादियों ने मामले की सुनवाई के दौरान अधिकारियों की बर्खास्तगी को जारी रखा है। इससे पहले निचली अदालत के न्यायाधीशों ने बर्खास्तगी को अवैध पाया था। एक अन्य मामला जो अदालत में पहुंचा है लेकिन जिस पर अभी तक विचार नहीं किया गया है वह ट्रंप के कार्यकारी आदेश से जुड़ा है।

इस आदेश के तहत अमेरिका में

रूस ने यूक्रेन में फिर मचाया कहर, रातभर हुई बमबारी में पांच की मौत; रिहायशी इलाकों में भीषण तबाही

कीव । तीन साल से जारी संघर्ष के बीच रूस ने शनिवार रात यूक्रेन के नौ क्षेत्रों में 50 से ज्यादा मिसाइल और लगभग 500 ड्रोन दागे। पश्चिमी शहर लविव में ड्रोन-मिसाइल हमले में पांच लोग मरे, जिनमें 15 साल का बच्चा भी शामिल है। रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से जारी संघर्ष में स्थिति और भयावह होती जा रही है। ध्यान देने वाली ये भी है कि अभी दूर-दूर तक इस संघर्ष के खत्म होने के आसार भी नहीं दिख रहे है। कारण है कि इन दिनों रूस का यूक्रेन पर हमला और तेज हो गया है। इस संघर्ष के ताजा अपडेट की बात करे तो शनिवार रात भर रूस ने यूक्रेन के खिलाफ बड़े पैमाने पर ड्रोन, मिसाइल और गाइडेड बमों से हमला किया, जिसमें कम से कम पांच आम नागरिक मारे गए। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार सुबह बताया कि रूस ने नौ अलग-अलग इलाकों में 50 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलें और करीब 500 ड्रोन दागे। मृतकों में एक बच्चा भी शामिल पश्चिमी शहर लविव में हुए एक संयुक्त ड्रोन और मिसाइल हमले में पांच लोग की मौत हुई, जिनमें एक 15 साल का बच्चा भी शामिल है। इस हमले से दो इलाकों में बिजली गुलहो गई और सार्वजनिक यातायात भी कुछ घंटों के लिए बंद रहा। लविव के मेयर आंद्रिय सादोवी ने बताया कि शहर के बाहर एक व्यावसायिक परिसर में आग लगी, जो किसी सैन्य गतिविधि से जुड़ा नहीं था। और कहा-कहा हुआ हमला? इवानो-फ्रैंकिव्स्क क्षेत्र में भी एक व्यक्ति घायल हुआ, जबकि दक्षिणी शहर जापोरिज्जिया में एक महिला की मौत हो गई और नौ लोग घायल हुए। यहां ड्रोन और गाइडेड बमों से हमला किया गया, जिससे कई आवासीय भवन नष्ट हो गए और करीब 73,000 घरों में बिजली चली गई। इसके साथ ही पूर्वी डोनेट्स्क क्षेत्र के स्लोवियान्स्क में भी एक अपार्टमेंट पर हमला हुआ, जिसमें छह लोग घायल हुए। वहां कई घरों, दुकानों और कारों को नुकसान पहुंचा। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों से यूक्रेन को और अधिक वायु रक्षा प्रदान करने की अपील की ताकि इस हवाई आतंक को रोका जा सके। यूक्रेन ने भी लंबी दूरी से हमले किए रूसी हमलों के जवाब में यूक्रेन ने भी रूस के कई ठिकानों पर लंबी दूरी से हमले किए हैं, खासकर रूस के तेल उद्योग को निशाना बनाकर, जिससे वहां ईंधन की कमी बनी हुई है। रूस ने सर्दियों से पहले यूक्रेन की बिजली आपूर्ति और रेलवे नेटवर्क पर हमले तेज कर दिए हैं, जिससे नागरिकों को गर्मी, बिजली और पानी की समस्या हो रही है। शॉस्तका शहर में हुए हालिया हमले में एक व्यक्ति की मौत हुई और कई घायल हुए। इससे साफ है कि युद्ध जारी है और आम लोगों को भारी नुकसान पहुंच रहा है।

अमृतसर से बर्मिंघम जा रही एअर इंडिया की उड़ान की इमरजेंसी लैंडिंग, अचानक खुली विमान की RAT प्रणाली

बर्मिंघम : पंजाब के अमृतसर से बर्मिंघम जा रही एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई117 की इमरजेंसी लैंडिंग बर्मिंघम हवाई अड्डे पर कराई गई है। जानकारी के मुताबिक उड़ान के दौरान विमान की रैम एअर टर्बाइन अचानक से खुल गई। जिसके बाद विमान को उतारा गया और जांच के लिए ग्राउंड किया गया।

एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 117, जो 4 अक्तूबर को अमृतसर से बर्मिंघम जा रही थी, में तकनीकी गड़बड़ी सामने आई है। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि ये बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान थी, इसे एहतियात बरतते हुए बर्मिंघम एयरपोर्ट पर उतारा गया है। इस लैंडिंग के दौरान विमान के रैम एयर टर्बाइन अचानक से सक्रिय हो गई। जिसके बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित उतारने के बाद विमान को जांच के लिए भेज दिया गया है। यह घटना विमान की फाइनल लैंडिंग की प्रक्रिया के दौरान

हुई। एअर इंडिया ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि 4 अक्टूबर 2025 को अमृतसर से बर्मिंघम जा रही फ्लाइट एआई-117 में ऑपरेटिंग क्रू को लैंडिंग से ठीक पहले फअळ प्रणाली के सक्रिय होने जानकारी मिली। जांच में सभी इलेक्ट्रिकल और हाइड्रॉलिक पैरामीटर सामान्य पाए गए। विमान ने सुरक्षित लैंडिंग की और कोई तकनीकी खराबी दर्ज नहीं हुई। कंपनी ने बताया कि मानक संचालन प्रक्रिया के तहत विमान को ग्राउंड किया गया है ताकि उसकी विस्तृत जांच हो सके। विमान की वापसी उड़ान अक्ा14 (बर्मिंघम से दिल्ली) को रद्द कर दिया गया है। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने यात्रियों से धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि उनकी सुरक्षा और सुविधा एअरलाइन की प्राथमिकता है। लगातार बढ़ रहा भारत का घरेलू विमानन क्षेत्र 2025 में भारत का घरेलू विमानन क्षेत्र लगातार बढ़ रहा है। हालांकि अगस्त महीने में यात्री संख्या में जुलाई की तुलना में थोड़ी गिरावट देखी गई। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के अनुसार, जनवरी-अगस्त 2025 में घरेलू एयरलाइनों ने कुल 1107.26 लाख यात्रियों को गतंव्य तक पहुंचाया, जो पिछले वर्ष के मुकाबले में इसी अवधि में 1054.66 लाख यात्रियों से 4.99% अधिक है। अगस्त में इंडिगो ने 83.14 लाख यात्रियों को गतंव्य तक पहुंचाया, जिससे इसका मार्केट शेयर 64.2% रहा, जो जुलाई में 65.2% था। हालांकि इसमें थोड़ी गिरावट आई, लेकिन इंडिगो ने इस साल हर महीने 63% से अधिक मार्केट शेयर बनाए रखा है।

रूस ने यूक्रेन पर ड्रोन व मिसाइलें बरसाईं, पोलैंड ने हवाई सुरक्षा के लिए किया यह काम

नई दिल्ली: सितंबर में पोलैंड की ओर से अपने हवाई क्षेत्र में संदिग्ध रूसी ड्रोन को मार गिराए जाने के बाद पूर्वी-नाटो सदस्य हाई अलर्ट पर हैं और कोपेनहेगन और म्यूनिख सहित अन्य स्थानों पर ड्रोन देखे जाने और हवाई घुसपैठ के कारण यूरोपीय विमानन क्षेत्र में अराजकता फैल गई है। आइए इस बारे में जानें। रूस की ओर से यूक्रेन पर हवाई हमले शुरू करने के बाद नाटो के सदस्य देश पोलैंड ने दावा किया है कि उसने अपनी हवाई सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रविवार तड़के अपने विमान भेजे हैं। यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि पोलिश सीमा के पास लवीव क्षेत्र में मिसाइलें और ड्रोन हमले

किए गए। पोलैंड की ऑपरेशनल कमांड ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पोलिश और सहयोगी विमान हमारे हवाई क्षेत्र में उड़ान भर रहे हैं, जबकि जमीन आधारित वायु रक्षा और रडार टोही प्रणालियों को तैयारी की स्थिति में लाया गया है। सितंबर में पोलैंड की ओर से अपने हवाई क्षेत्र में संदिग्ध रूसी ड्रोन को मार गिराए जाने के बाद पूर्वी-नाटो सदस्य हाई अलर्ट पर हैं और कोपेनहेगन और म्यूनिख सहित अन्य स्थानों पर ड्रोन देखे जाने और हवाई घुसपैठ के कारण यूरोपीय विमानन क्षेत्र में अराजकता फैल गई है। शनिवार देर रात हवाई अड्डे की ओर बढ़ते गुब्बारों की संभावित शृंखला की रिपोर्ट के बाद लिथुआनिया के विलनियस हवाई अड्डे को रात भर कई घंटों के लिए बंद कर दिया गया। उड़ान ट्रैकिंग सेवा फ्लाइटराडार 24 के अनुसार, रविवार को सुबह-सुबह वाणिज्यिक उड़ानें उस मार्ग का उपयोग कर रही थीं। इसका उपयोग आमतौर पर तब किया जाता है, जब यूक्रेन की सीमा के पास पोलैंड के ल्यूबलिन और रेज्सोव हवाई अड्डे बंद होते हैं। हालांकि फ्लाइटराडार24 की रिपोर्ट को स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं कर सका है। जानकारी के मुताबिक पूरा यूक्रेन रात भर कई घंटों तक हवाई हमले की चेतावनी में रहा और यूक्रेन की वायु सेना ने लवीव क्षेत्र के लिए मिसाइल और ड्रोन हमलों की सबसे गंभीर चेतावनी जारी की।

नेपाल में लगातार बारिश ने मचाई तबाही, भूस्खलन में 40 लोगों की मौत; कई इलाकों से टूटा संपर्क

काठमांडू : पूर्वी नेपाल के इलम में पिछले 24 घंटों में बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में कम से कम 40 लोगों की मौत हो गई है। सरकार को कई इलाकों में सेना की बचाव कार्य के लिए उतारना पड़ा है। पूर्वी नेपाल के कोशी प्रांत में शनिवार रात से हो रही भारी बारिश ने भारी तबाही मचाई है। भीषण बारिश के चलते हुए भूस्खलन में कम से कम 40 लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने बताया कि इलम जिले के सूर्योदय नगर पालिका के मानेभंज्यांग में पांच लोगों की मौत हो गई। नेपाल के इलाकों में शनिवार से लगातार भारी बारिश हो रही है। कोशी प्रांत पुलिस कार्यालय के प्रवक्ता एसएसपी दीपक पोखरेल के बताया, आज सुबह तक सूर्योदय नगर पालिका में भूस्खलन में कम से कम पांच लोग, मंगसेबुंग नगर पालिका में तीन और इलम

नगर पालिका में छह लोगों की मौत हो चुकी है। देउमई नगर पालिका में तीन और फक्फोकथुम ग्राम परिषद में एक व्यक्ति की मौत हुई है। सेना की गई तैनाती एसएसपी पोखरेल ने बताया, मृतकों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि हम नुकसान का आकलन कर रहे हैं। अभी तक हमारे पास नुकसान की अभी प्रारंभिक जानकारी है। फिलहाल नेपाल सेना, सशस्त्र पुलिस बल और नेपाल पुलिस को मौके पर तैनात कर दिया गया है। नेपाल सेना ने बचाव कार्यों के लिए एक हेलीकॉप्टर भेजा है। हालांकि, खराब मौसम के कारण बचाव कार्य में बाधा आ रही है। नेपाल के सात प्रांतों में से पांच में मानसून सक्रिय है। जिनमें कोशी, मधेशी, बागमती, गंडकी और लुम्बिनी शामिल हैं। कई इलाकों में अलर्ट शनिवार सुबह से ही प्रमुख नदियों के किनारे बसे इलाकों में खोज और बचाव अभियान शुरू किया गया। स्थानीय लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

बिश्नोई गैंग के बुरे दिनः सुरक्षा एजेंसियों का दावा- अलग हुए गोल्डी बराड़ और काला जठेड़ी, लॉरेंस को बड़ा झटका

नई दिल्ली : सुरक्षा एजेंसियों की मानें तो लॉरेंस गैंग का दाहिना हाथ कहे जाने वाले कनाडा में बैठे गोल्डी बराड़ और काला जठेड़ी भी अलग हो गए हैं। ये लॉरेंस के लिए बहुत बड़ा झटका है। राजस्थान का गैंगस्टर रोहित गोदारा भी लॉरेंस गैंग से अलग हो चुका है।

अपराध की दुनिया में एकछत्र राज करने वाले लॉरेंस बिश्नोई व उसके गैंग के बुरे दिन शुरू हो चुके हैं। सुरक्षा एजेंसियों की मानें तो लॉरेंस गैंग का दाहिना हाथ कहे जाने वाले कनाडा में बैठे गोल्डी बराड़ और काला जठेड़ी भी अलग हो गए हैं। ये लॉरेंस के लिए बहुत बड़ा झटका है। राजस्थान का गैंगस्टर रोहित गोदारा भी लॉरेंस गैंग से अलग हो चुका है। अधिकारियों की मानें तो इस समय लॉरेंस बिश्नोई अमेरिका में बैठे भाई अनमोल के साथ अकेला रह गया है। कनाड़ा सरकार ने हाल ही में लॉरेंस के

खिलाफ कड़ा कदम उठाया है। कनाडा सरकार ने बिश्नोई गैंग को एक आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है। बिश्नोई गैंग पर कनाडा में खास समुदाय को निशाना बनाकर डर और धमकी का माहौल बनाने का आरोप है। इसे देखते हुए कनाडा की पब्लिक सेफ्टी मिनिस्ट्री की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि बिश्नोई गैंग एक इंटरनेशनल टेरेरिस्ट गैंग है जो हिंसा दहशतगर्दी और डराने धमकाने का काम करता है। ऐसे में बिश्नोई गैंग को आतंकी संगठन घोषित करने के बाद कनाडा की सरकार को उसके खिलाफ और कड़ी कार्रवाई करने की छूट मिलेगी। लॉरेंस का खास माने जाने वाला रोहित गोदारा भी उससे अलग हो चुका है। बरेली, यूपी में फिल्म अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग मामले में लॉरेंस और रोहित गोदारा के बीच दरार खुलकर सामने आ चुकी है। दोनों ने एक दूसरे के खिलाफ एक्स पर खुलकर लिख चुके हैं। अब गोल्डी बराड़ भी लॉरेंस से अलग हो चुका हैं। काला जठेड़ी व अलग गैंगस्टर भी अलग हो चुके हैं। लॉरेंस इनके नाम का कर रहा था इस्तेमाल- देश की सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों का कहना है कि जेल में निरुद्ध लॉरेंस बिश्नोई गोल्डी बराड़, काला जठेड़ी, रोहित गोदारा आदि के नाम का उगाही के लिए इस्तेमाल कर रहा था और इन्हीं से वारदातें करवा रहा था। इसे देखते हुए ये गैंगस्टर लॉरेंस से अलग हुए हैं। अब ये अपने ही साम्राज्य चलाना चाहते है। एक कारण ये भी बताया जा रहा है कि गोल्डी बराड़ इस समय देश विरोधी काम करने वाले खालिस्तानियों से जुड़ गया है। गोल्डी बराड़ समेत कुछ गैंगस्टरों का नाम ड्रग्स मामले में सामने आ चुका है। इसको लेकर इनका व लॉरेंस का मनमुटाव हो गया। छोटे भाई अनमोल को लेकर भी लॉरेंस व गोल्डी के बीच तकरार पैदा हो गई थी। छात्र जीवन में रखा अपराध की दुनिया में कदम जेल में बंद 32 वर्षीय गैंगस्टर लॉरेंस ने 2010 में पंजाब यूनिवर्सिटी में छात्र रहते हुए अपराध की दुनिया में कदम रखा था। उसने यूनिवर्सिटी में छात्रसंघ चुनाव के दौरान एक प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार पर गोलीबारी की थी।

अनावश्यक एक्स-रे से 20 से कम उम्र वाले मरीजों में 10% बढ़ रहा कैंसर का खतरा, विशेषज्ञों ने दी चेतावनी

नईदिल्ली : बार-बार रेडियोलॉजी जांच से होने वाला विकिरण जोखिम खासकर 20 वर्ष से कम उम्र के मरीजों में कैंसर का खतरा 10 प्रतिशत तक बढ़ा सकता है। चिकित्सा के क्षेत्र में तकनीक ने क्रांति ला दी है, लेकिन अनावश्यक रेडियोलॉजिकल जांच जैसे एक्स-रे और सीटी स्कैन की बढ़ती प्रवृत्ति मरीजों के लिए खतरा बन रही है। शनिवार को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में आयोजित न्यूरोलॉजिकल सर्जंस सोसाइटी ऑफ इंडिया के दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ आरएस मित्तल ने यह बातें कही। उन्होंने चेतावनी दी कि बार-बार रेडियोलॉजी जांच से होने वाला विकिरण जोखिम खासकर 20 वर्ष से कम उम्र के मरीजों में कैंसर का खतरा 10 प्रतिशत तक बढ़ा सकता है।

ट्रंप ने गाजा में खींचा शांति प्रस्ताव का नया खाका; कहा- इस्त्राइल तैयार, हमास की सहमति का इंतजार

वॉशिंगटन : डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि गाजा युद्धविराम पर बातचीत के बाद इस्त्राइल शुरूआती चरण में सेना की वापसी पर सहमत हो गया है और यह प्रस्ताव हमास के साथ साझा किया गया है। ट्रंप ने आगे कहा- जैसे ही हमास इस प्रस्ताव की पुष्टि करेगा युद्धविराम प्रभावी हो जाएगा। इसके साथ ही ट्रंप ने एक तस्वीर भी जारी की है। जानें क्या है गाजा में शांति प्रस्ताव का नया खाका...अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हमास और इस्त्राइल

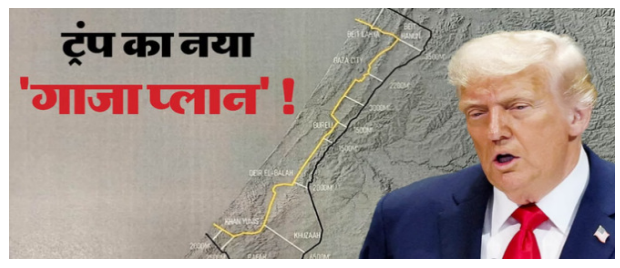

के बीच संघर्ष को खत्म करने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। ट्रंप ने शनिवार को बताया कि, इस्त्राइल प्रारंभिक वापसी रेखा पर सहमत हो गया है और हमास की पुष्टि के बाद युद्धविराम लागू किया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि हमास की सहमति के बाद कैदियों और बंधकों की अदला-बदली की जाएगी। डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को (स्थानीय समयानुसार) गाजा का नया नक्शा जारी किया है। ट्रुथ पर ट्रंप ने लिखा, बातचीत के बाद इस्त्राइल वापसी की शुरूआती रेखा पर सहमत हो गया है, जिसे हमने हमास को दिखाया और उसके साथ साझा किया है। जब हमास इसकी पुष्टि करेगा, तो युद्धविराम तुरंत प्रभावी हो जाएगा। बंधकों और कैदियों की अदला-बदली शुरू हो जाएगी और हम वापसी के अगले चरण के लिए परिस्थितियां तैयार करेंगे। जिससे हम इस 3,000 साल पुरानी तबाही के अंत के करीब पहुंच जाएंगे। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद! गाजा के लिए ट्रंप का प्लान बता दें कि, ट्रंप द्वारा जारी किए गए नक्शे में इस्त्राइली सेना गाजा के दक्षिणी हिस्से में 6.5 किलोमीटर, मध्य गाजा में दो किलोमीटर और उत्तरी हिस्से में 3.5 किलोमीटर तक तैनात रहेगी। यह मानचित्र, जुलाई के मध्य में मध्यस्थों द्वारा हमास को दिखाया गया था। जिसे हमास ने अस्वीकार कर दिया था। इस नक्शे के मुताबिक इस्त्राइली सेना पुरानी सीमा रेखा से करीब 1.6 किमी अंदर मौजूद है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।